राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 308
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शुक्रवार 20 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली एम्स में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड समेत 300 रुपये तक की सभी जांच हुई मुफ्त, दिल्ली में पेड़ों को काटने पर हाईकोर्ट ने अगले आदेश

पेज 5 मथुरा-शाही ईदगाह केस : जिला अदालत ने मंजूर की श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका, 1 जुलाई को होगी सुनवाई

पेज 7 तालिबान की भारत से अपील, कम से कम दूतावास के कांसुलर सेक्शन को शुरू करे दिल्ली

आफत की बारिश : असम में बाढ़ से 9 लोगों की मौत

करीब 6 लाख प्रभावित; कर्नाटक में 22 मई तक भारी बारिश का अलर्ट

कर्नाटक में 22 मई तक भारी बारिश

कर्नाटक में भी बारिश लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। बेंगलुरु समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। इसके चलते 2 मजदूरों की मौत भी हो गई। कर्नाटक मौसम विभाग प्रमुख डॉ. गीता अग्निहोत्री ने बताया, 19 से 22 मई तक तक पूरे कर्नाटक में भारी बारिश हो सकती है।

नई दिल्ली। भारत के कई राज्यों में इन दिनों भारी बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। असम में बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हैं। केरल के 4 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कर्नाटक में भी अगले दो दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों की मानें तो असम में बाढ़ से अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है। राज्य के 27 जिलों में 6.62 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें सबसे ज्यादा 2.88 लाख लोग सिर्फ नागांव जिले से हैं। जबकि कछार में 1.19 लोग, होजई में 1.07 लाख, दरांग में 60 हजार 562, बिश्वनाथ में 27 हजार 282, उदलगुरी जिले में 19 हजार 755 लोग प्रभावित हैं। बाढ़ के पानी में 46 हजार 160.43 हेक्टेयर फसल भूमि डूब गई है।

स्टेशन में फंसे लोगों को एयरलिफ्ट करना पड़ा

असम में बाढ़ का कदर है कि कई स्टेशनों की पटरियों पर कीचड़ और पानी भर दिखा। डिटोकचेरा रेलवे रूट पर कई यात्री ट्रेन में फंस गए। इन्हें एयरलिफ्ट कर बाहर निकाला गया। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन से पटरियों के नीचे के जमीन धंस गई और पटरियां हवा में झूलने लगीं।

अब तक बाढ़ प्रभावित जिलों से करीब 8,054 लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में बड़ी कार्रवाई

बारामूला में वाइन शॉप पर हमले के आरोप में 5 गिरफ्तार; 5 पिस्तौल, 23 ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद

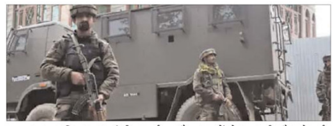

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में नई खुली वाइन शॉप में हुए आतंकी हमले में बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस ने इस मामले में 4 आतंकवादी और लश्कर का 1 सहयोगी गिरफ्तार किया है। उनके पास से 5 पिस्तौल, 23 ग्रेनेड और विस्फोटक बरामद हुए हैं। IGP कश्मीर विजय कुमार ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आतंकी मॉड्यूल बारामूला में कई आतंकी घटनाओं में शामिल था। आर्तकियों ने मंगलवार रात बारामुला में नई खुली शराब दुकान पर ग्रेनेड से हमला कर दिया। आतंकी बुर्का पहनकर आया था। उसने ग्रेनेड दुकान के अंदर फेंक दिया।

हमले के बाद आतंकी वहां से भागने में कामयाब रहा। धमाके में दुकान के चार कर्मचारी घायल हो गए। इलाज के दौरान इनमें से एक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हमला कोर्ट रोड के दीवान बाग इलाके की शराब दुकान पर हुआ।

दुकान की एक दीवार से सेना का कैंप सटा है और दूसरी दीवार के पास DIG का ऑफिस है। यह दुकान कुछ ही दिन पहले खुली थी। हमले में घायल सभी लोग दुकान के कर्मचारी हैं और जम्मू डिवीजन के रहने वाले हैं।

शराब लेने के बहाने आया आतंकी

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ग्रेनेड फेंकने से पहले एक आतंकी शराब खरीदने के बहाने दुकान पर आया था। उसने शराब मांगी और अचानक अपने साथ लाए गए ग्रेनेड से हमला कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया सेक्स वर्कर्स को भी आधार कार्ड जारी करने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक अहम मामले पर सुनवाई करते हुए सभी सेक्स वर्कर्स को आधार कार्ड जारी करने का आदेश दिया है। देश की शीर्ष अदालत ने कहा कि देश में पेशेवर गतिविधियों के बावजूद प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने का और सम्मान पाने का पूरा अधिकार है। जस्टिस एल नागेश्वर राव की बेंच ने खास तौर पर ये भी निर्देश दिया कि यौन कर्मियों की गोपनीयता भंग नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का आदेश यौन कर्मियों को सशक्त बनाने और उन्हें समान अधिकार दिलाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा जारी प्रोफार्मा प्रमाण पत्र के आधार पर यौनकर्मियों को आधार कार्ड जारी किए जाएंगे। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) के राजपत्रित अधिकारी या राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर द्वारा ये दस्तावेज प्रस्तुत किए जाएंगे। कोर्ट ने सख्त हिदायद दी है कि अधिकारियों को अदालत के फैसले को गंभीरता और निष्पक्षता के साथ धरातल पर लागू करना होगा। जानकारों के मुताबिक आधार कार्ड का विचार इसलिए महत्वपूर्ण है ताकि लोगों और यौनकर्मियों के बीच मौजूद खाई को भरा जा सके साथ ही सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ यौन कर्मियों को मिल सके।

कोरोना : 24 घंटे में मिले 1,730 नए केस, तीन मरीज की मौत

दिल्ली में मामले कम हुए, लेकिन डरा रहा पॉजिटिविटी रेट

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 1,730 नए केस सामने आए हैं, जबकि 3 मरीजों की मौत हो गई। अच्छी बात यह है कि बीते दिन 2,212 मरीज कोरोना से स्वस्थ्य हुए। कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या में भी गिरावट जारी है।

बुधवार को देश में कोरोना के 13,826 एक्टिव केस दर्ज किए गए। वहीं मंगलवार को 14,303 एक्टिव केस दर्ज किए गए थे, जो एक दिन पहले, यानी सोमवार को 15,057 थे। मंगलवार को देश में कोरोना के 1,805 नए केस सामने आए थे और 4 लोगों की मौत हुई थी।

पॉजिटिविटी रेट घटकर 0.42 प्रतिशत हुआ

देश में कोरोना रिकवरी रेट 98.75 प्रतिशत पहुंच गया है। पॉजिटिविटी रेट घटकर सिर्फ 0.42 प्रतिशत रह गया है। देश में चल रहे टीकाकरण अभियान की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 14 लाख 97 हजार 695 लोगों वैक्सीन लगाई गई है। वहीं, अब तक कुल 191 करोड़ 65 लाख 770 वैक्सीन डोज लगाई जा चुकी हैं। भारत में अब तक कुल 5 लाख 24 हजार 296 लोगों की मौत हुई है।

दिल्ली में कोरोना के 532 केस

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले पहले से कुछ कम हुए हैं, लेकिन पॉजिटिविटी रेट लोगों को डरा रहा है। बीते दिन यहां 532 नए मामले सामने आए, गनीमत यह है कि एक भी मरीज की मौत नहीं हुई।

राजधानी में पॉजिटिविटी रेट 2.13त्न है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पॉजिटिविटी रेट 5 प्रतिशत से अधिक होने पर स्थिति गंभीर हो जाती है। फिलहाल दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस 2,675 हैं।

महाराष्ट्र में कोरोना के 307 नए मामले सामने आए और एक मरीज की मौत हो गई।

राज्य में कोरोना के 54 एक्टिव केस बढ़ गए हैं, यहां इलाज करवा रहे मरीजों की संख्या 1,605 हो गई है। यूपी में 139 केस मिले और एक मरीज की मौत हुई, वहीं कर्नाटक में भी एक मरीज की मौत हो गई और 122 नए मामले दर्ज किए गए।

हरियाणा में ट्रक ने 18 मजदूरों को कुचला : 4 की मौत

9 पीजीआई रोहतक रेफर; केएमपी पर सो रहे थे सभी

एजेंसी

बहादुरगढ़। हरियाणा के बहादुरगढ़ शहर में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार सुबह एक ट्रक ने 18 मजदूरों को कुचल दिया। हादसे में 3 मजदूरों की मौके पर ही तो चौथे शख्स की मौत रोहतक पीजीआई में हुई है। जबकि 10 गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें 4 लोगों को बहादुरगढ़ ट्रॉमा सेंटर तो 9 लोगों को रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया है। कुछ को मामूली चोट के बाद छुट्टी दे दी गई है। हादसे के बाद ट्रक भी पलट गया। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला कानपुर देहात के थाना रसुलाबाद के गांव रेवरी इटली निवासी सुशील, कांति स्वरूप व मोनू तथा अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ने वाले की पहचान नीरज गांव दांती जिला कानुपर देहात थाना रसूलाबाद के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, KMP पर आसौदा टोल के आसपास सड़क रिपेयरिंग का काम चल रहा है। देर रात तक मरम्मत का कार्य करने के बाद थक कर सभी 18 मजदूर सड़क किनारे अवरोधक लगाकर सो गए। सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। उसके बाद ट्रक मौके पर ही पलट गया। ट्रक कोल डस्ट से भरा हुआ था, जिसकी रोडियां पलटने के बाद हाइवे पर फैल गई। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। एसपी वसीम अकरम ने कहा कि मजदूरों के ठेकेदार के अलावा इस हादसे का जो भी जिम्मेवार होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में जान गंवाने वाले चारों लोगों के शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया गया है। घायलों में से 9 को उपचार के लिए रोहतक पीजीआई भेजा गया है, जबकि 4 घायलों का इलाज बहादुरगढ़ के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। फिलहाल, पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

सूचना के बाद स्क्कवसीम अकरम व स्क्क अमित यशवर्धन भी मौके पर पहुंचे। ASP ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े 5 से 6 बजे की बीच की है। तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर सो रहे मजदूरों को कुचल दिया। हादसे के वक्त कुछ मजदूर जगे हुए थे जिन्होंने घटना की पूरी जानकारी भी दी है।

उत्तर प्रदेश के रहने वाले है सभी मजदूर

हादसे में घायल अनीस और रजनीश ने बताया कि हादसे के शिकार सभी मजदूर केएमपी पर बने पुलों की रिपेयर का काम करते थे। देर शाम तक काम करने के बाद मजदूर थक पर सड़क किनारे सो गए थे। सोने से पहले सड़क के एक साईड की बैरिकेडिंग भी कर दी थी। रिफलेक्टर भी लगाए गए थे। सुरक्षा के लिए पानी का टैंकर और जेनसैट भी खड़ा किया था, लेकिन तेज रफ्तार, गफलत और लापरवाही से ट्रक चलाते हुए आए एक शख्स ने सो रहे मजदूरों को कुचल दिया। हादसे के शिकार हुए मजदूर उत्तरप्रदेश के कानुपर के रहने वाले हैं और दो महीने से केएमपी पर काम कर रहे थे।

भारत पूरी दुनिया के लिए उम्मीद की किरण : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि नये भविष्य के लिए तत्पर देश के रूप में उभर रहा भारत पूरी दुनिया के लिए उम्मीद की किरण है। मोदी ने गुजरात के वड़ोदरा में गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से एक युवा शिविर को संबोधित करते हुए कहा, भारत आज दुनिया की नई उम्मीद है। हम पूरी मानवता को योग का रास्ता दिखा रहे हैं, आयुर्वेद की ताकत से परिचित करवा रहे हैं।

हम सॉफ्टवेयर से लेकर स्पेस तक, एक नए भविष्य के लिए तत्पर देश के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी देशवासियों को मिलकर ऐसा भारत बनाना है जो पूरी मानव जाति को नयी दिशा प्रदान करें। उन्होंने कहा, हम सबको ऐसा नया भारत बनाने का संकल्प लेना है, जो नई सोच और सदियों पुरानी संस्कृति दोनों को एक साथ लेकर आगे बढ़े, पूरे मानव जात को दिशा दे।

कोरोना काल के संकट के बीच दुनिया को वैक्सीन और दवाइयाँ पहुंचाने से लेकर बिखरी हुई आपूर्ति श्रृंखला के बीच आत्मनिर्भर भारत की उम्मीद तक, वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच शांति के लिए एक सामर्थ्यवान राष्ट्र की भूमिका तक, भारत दुनिया की उम्मीद है।

उन्होंने नये भारत के निर्माण के लिए युवाओं का आह्वान करते हुए कहा, आज हम नये भारत के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प ले रहे हैं, प्रयास कर रहे हैं।

एक ऐसा नया भारत, जिसकी पहचान नई हो, जो आगे बढने के बारे में सोचता हो और उसकी परम्पराएँ प्राचीन हों। युवाओं को देश और दुनिया के कल्याण की दिशा में बढचढ कर काम करने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा, हमारे लिए संस्कार का अर्थ है- शिक्षा, सेवा और संवेदनशीलता!

दिल्ली के न्यू मुस्तफाबाद इलाके में फैक्टरी में लगी आग, एक मरा, छह घायल

एजेंसी

नयी दिल्ली। उत्तर-पूर्व दिल्ली के न्यू मुस्तफाबाद इलाके में गुरुवार अपराह्न एक फैक्टरी में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी और अन्य छह झुलस गए।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार उन्हें अपराह्न बारह बजकर 18 मिनट पर न्यू मुस्तफाबाद इलाके से आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद आग पर काबू पाने के लिए तुरंत दमकल की छह गाड़ियों के साथ अग्निश्मन कर्मियों को भेजा गया।

दमकल कर्मियों ने पाया कि सात लोग इमारत के ग्राउंड और पहली मंजिल में फंसे हैं।

दमकल कर्मियों ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया लेकिन गंभीर रूप से झुलसे सात लोगों में से एक को मृत घोषित कर दिया गया और अन्य में से एक की हालत गंभीर बनी हुई है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि घायलों में से एक महिला गंभीर रूप से झुलसी हुई थी जिसमें हालत गंभीर बतायी गई है। उन्होंने बताया कि फैक्टरी में कूलर की बॉडी बनायी जा रही थी।

उन्होंने बताया कि सात दिनों के अंदर आग लगने की छठी घटना है। एक सप्ताह पहले पश्चिम दिल्ली के मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास एक चार मंजिला इमारत में आग लगने से 27 लागों की झुलसने से मौत हो गयी थी।

भाजपा में शामिल हुए सुनील जाखड़, नड्डा ने अंगवस्त्रम पहनाकर स्वागत किया

नयी दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने श्री जाखड़ को अंगवस्त्रम पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि राष्ट्रीय सोच और विचारधारा के लोगों का भाजपा में स्वागत है। श्री जाखड़ ने कांग्रेस नेतृत्व की शैली पर गहरे सवाल उठाते हुए पिछले दिनों पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया था।

जाखड़ ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खुले दिल और आत्मीयता से उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह निजी स्वार्थ की राजनीति नहीं करते लेकिन जिस तरह उनकी पिछली पार्टी कांग्रेस ने पंजाब को वहां की आबादी में, जात-पात और धर्म के प्रतिशत (अनुपात) के नाम पर बांटने की कोशिश की, वह उनके लिये पीड़ादायक था। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस तरह की राजनीति का विरोध किया और इसलिये उन्हें कांग्रेस छोड़ना पड़ा।

उन्होंने कहा कि पंजाब में कोई दोयम दर्जे का नागरिक नहीं है। पंजाब ने देश की सेवा में अपना नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने उसूलों से हट चुकी है, इसलिये उन्होंने सोचा कि अब 50 साल पुराने संबंध को तोड़ने का समय आ गया है।

उन्होंने कहा, सुनील को पद से हटाया जा सकता है, उसकी आवाज़ को बंद नहीं किया जा सकता।

जाखड़ ने कहा कि पंजाब गुरु, संतों और पीरों की धरती है, और राष्ट्रीयता की भावना परस्पर एकता के भाव से पनपती है। उन्होंने कहा कि गुरु साहब (नानक देव) ने सर्वसमानता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब राष्ट्रीय अखंडता और भाईचारे के लिये खड़ा रहा है।

वहां आतंकवाद के समय 25,000 से अधिक पंजाबियों की कुर्बानी के बावजूद कोई धार्मिक नफ़रत नहीं दिखी।

खजाने का महल | **जयपुर में तैरते पत्थर, 111 किलो की अंगूठी जैसी 20 हजार बेशकीमती चीजें देखेंगे लोग**

शार्क के दांत, सोने की शराब... अद्भुत खजाने का महल

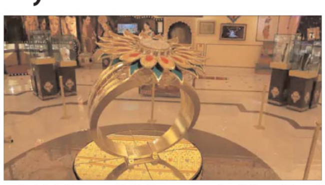

जयपुर। जयपुर में एक अनोखा महल खुलने जा रहा है। यहां दुनियाभर से बेशकीमती हीरे जवाहरात और अनोखी चीजें सहेजी हुई हैं। इसे नाम दिया गया है खजाना महल। 3 एकड़ में बने इस म्यूजियम में लोग 20 हजार से अधिक ऐसे अनोखी, अनूठी और बेशकीमती चीजें देख सकेंगे जो 100 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं।

करीब 6 करोड़ की लागत से बना ये म्यूजियम लगभग तैयार हो गया है, जो जून के दूसरे सप्ताह जल महल के पास खोला जाएगा। बेशकीमती होने की वजह से इस जगह की सुरक्षा भी खास है। इसलिए 125 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही दीवार इतनी मोटी है कि बम धमाके से भी नहीं उड़े। यहां डायनासोर की हड्डी, कोहिनूर की रेप्लिका, शार्क के दांत से लेकर उल्का पिंड का टुकड़ा तक रखा गया है। इसके साथ इस म्यूजियम में 111 किलो की अंगूठी भी है, जो हीरे जवाहरात से बनी है। बॉलीवुड में एक्टर-एक्ट्रेस की पहनी ज्वेलरी भी यहां रखी गई है। रामेश्वरम में तैरने वाले पत्थर और रूबी के स्टोन पर खजुराहो जैसी आर्ट दिखेगी। इस खजाना महल को जयपुर वैक्स म्यूजियम के फाउंडर डायरेक्टर अनूप श्रीवास्तव ने म्यूजियम ऑफ जेम एंड ज्वेलरी फेडरेशन के डॉ. रजनीकांत शाह के कलेक्शन के साथ तैयार किया है।

21 लोगों का मिनी थिएटर बनाया

म्यूजियम जेम स्टोन जैसे नायाब पत्थरों के गहनों में ढलने का सफर बयां करेगा। इसलिए 21 लोगों की क्षमता वाले मिनी थिएटर में 8 मिनट की फिल्म दिखाई जाएगी। इसमें शुरुआती दौर का जौहरी बाजार का दृश्य क्रिएट किया गया है। महल घूमने के लिए 15 लोगों का ग्रुप बनाया जाएगा। इन्हें 1 घंटे तक घुमाया जाएगा। इसी बीच पत्थर की कहानी नाम की फिल्म भी दिखाई जाएगी। एंट्री फ्री होगी या फीस लगेगी इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है।

करोड़ों साल पुरानी डायनसोर की हड्डियां दिखेंगी

इस आर्ट गैलरी के नेचर वाले हिस्से में खदानों से निकले स्टोन के गहने बनने का सफर दिखेगा। नव ग्रह के सूर्य, चंद्र, बुद्ध, शुक्र, मंगल, बृहस्पति, शनि, राहु व केतु स्टोन के जरिए दिखेंगे। इम्पोर्टेड स्टोन व उनसे बनी जूलरी, खदानों से निकले विभिन्न आकारों के स्टोन दिखाए जाएंगे।

शार्ट न्यूज

आयातित कोयले का अतिरिक्त खर्च केंद्र वहन करे : एआईपीईएफ

चंडीगढ़। आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह के प्रदेश बिजली कंपनियों को दिए इस निर्देश की आलोचना की है कि यदि कंपनियों ने अपनी ईंधन आवश्यकता के 10 फ़ीसदी की पूर्ती आयातित कोयले से नहीं की तो उनका कोयला आयात लक्ष्य 15 फ़ीसदी बढ़ा दिया जाएगा। एआईपीईएफ के प्रवक्ता विनोद गुप्ता ने आज यहाँ जारी बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश, कर्णाटक और पश्चिम बंगाल को भी लिखकर तुरंत कोयला आयात प्रक्रिया शुरू करने को कहा है ताकि प्रदेश के ताप विद्युत् सयंत्रों के लिए मानसून से पहले पर्याप्त कोयला हो। गुप्ता ने कहा कि कोयले की कमी एक दिन में नहीं हुई है और यह केंद्र सरकार के प्रबंधन और नीतियों की विफलता है, जिससे देश भर में डिस्कॉम घरेलु कोयले की उपलब्धता की कमी झेल रही हैं और उन्हें कोयला आयात करना पड़ रहा है घरेलु कोयले में मिलाने के लिए। श्री गुप्ता के अनुसार अधिकांश विद्युत् सयंत्र आयातित कोयले के लिए नहीं बनाये गए हैं और कोयले के मिश्रण से बायलर में ट्यूब लीकेज बढ़ने की आशंका है। फेडरेशन ने मांग की कि केंद्र आयातित कोयले की खरीद पर लगने वाला अतरिक्त खर्च वहन करे क्योंकि प्रदेश बिजली उत्पादन करने वाली कंपनियां बिजली संकट के लिए ज़िम्मेवार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया को कोयले की ढुलाई के लिए रेल गाड़ियों की आपूर्ति पिछले एक साल से मासिक लक्ष्य पूरे नहीं कर पा रही। पैसे के अभाव में नयी खदानों का विकास और वर्तमान खदानों की क्षमता बढ़ाने का काम रुका पड़ा है।

सड़क दुर्घटना में तीन मजदूरों की मौत

झज्जर। हरियाणा में झज्जर जिले के कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेस-वे पर आज तड़के एक कोयले से भरे ट्रक ने असोडा के पास सड़क किनारे सो रहे तीन मजदूरों को कुचल दिया तथा इस हादसे में 11 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। यह हादसा उस समय हुआ जब कल रात भोजन करने के बाद 18 मजदूर सड़क किनारे खुले में सो रहे थे। ट्रक बैरियर को तोड़ता हुआ सड़क किनारे जा पहुंचा, जहां ये मजदूर सो रहे थे। इनमें से तीन की मौके पर मौत हो गयी तथा 11 अन्य घायल हो गये। घायलों को बहादुरगढ़ के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे में चार मजदूर बाल-बाल बच गये। घायलों में 10 की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें पीजीआईएमएस रोहतक ले जाया गया। मृतकों की अभी शिनाख्त की जा रही है। जानकारों के अनुसार ये मजदूर प्राइवेट ठेकेदार के पास काम करते थे और सड़क की मरम्मत के काम में लगे थे। पुलिस गश्ती दल ने उनसे आग्रह किया था कि सड़क किनारे मत सोना लेकिन तड़के यह हादसा हो गया।

सजा पूरी कर चुके सिख नौजवानों को भी रिहा किये जाने की मांग

चंडीगढ़। अकाली दल (अमृतसर) के प्रधान सिमरनजीत सिंह मान ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय किसी को न्याय देने के लिये अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करते हुये किसी बंदी को भी रिहा कर सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड में सजा काटने वाले ए जी पेरारीवलन को रिहा करने के आदेश दिये गये हैं,वैसे तो यह बहुत पहले हो जाना चाहिये था। आज यहां एक बयान में श्री मान ने राजीव गांधी हत्याकांड में बंदी पेरारीवलन को शीर्ष न्यायालय की ओर से रिहा करने के आदेश को उचित करार देते हुये कहा कि जब शीर्ष अदालत के पास इंसाफ के तकाजे को सामने रखते हुये ऐसे वैधानिक अधिकार हैं, तो जेलों में पिछले 25-30 साल से सजा पूरी कर चुके सिख नौजवानों तथा जो झूठे मुकदमे में गिरफ्तार करके जेलों में बंदी बनाये गये हैं,उन्हें भी तत्काल रिहा करने के आदेश दिये जाने चाहिये क्योंकि हुक्मरानों ने दुर्भावना के तहत सिख नौजवानों को निशाना बनाया,उन्हें भी रिहा किया जाये।

दाढ़ी-मूंछ टिप्पणी को लेकर कॉमेडियन भारती सिंह पर दो मामले दर्ज

चंडीगढ़। हास्य कलाकार भारती सिंह को एक कॉमेडी शो के दौरान दाढ़ी-मूंछ को लेकर टिप्पणी करना मंहगा पड़ गया है। उनके खिलाफ पंजाब में अभी तक अमृतसर और जालंधर जिले के आदमपुर में दो मामले दर्ज हो चुके हैं और वह मुश्किल में फंसती नजर आ रही हैं। भारती ने हालांकि अपनी इस टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर यह सम्बंध में माफी मांगी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कॉमेडी शो के दौरान जो भी कहा गया है उसका किसी धर्म, जाति या समुदाय से सम्बंध नहीं था और न ही उसने किसी का नाम लिया। उनके इस मजाक का गलत अर्थ निकाला गया है तथा इसका सिख समुदाय से भी कोई सम्बंध नहीं है। इसके बावजूद अगर उनकी कही गई बातों से किसी या समुदाय विशेष की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो वह इसके लिये माफी मांगती हैं। वह स्वयं अमृतसर से हैं और उन्हें पंजाबी होने पर गर्व है। सिख संगठनों ने भारती की टिप्पणियों पर आपत्ति व्यक्त करते हुये इस सम्बंध में अमृतसर और जालंधर के आदमपुर के थानों में उसके खिलाफ शिकायतें दी हैं जिन पर आपत्ति दर्ज हो चुकी है। अमृतसर में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने भारती के खिलाफ पुलिस में शिकायत देकर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। जालंधर जिले के आदमपुर में गुरु रविदास टाइगर्स फोर्स (जीआरटीएफ) ने मामला दर्ज कराया है। दोनों ही संगठनों ने भारती का माफी को दरकिनार करते हुये ये शिकायतें दर्ज करायी हैं। अमृतसर के पुलिस आयुक्त अरुण पाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है और इसके बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

कबूतरबाजी में अब तक करीब 550 आरोपी काबू, हो रही सख्त कार्रवाई

अम्बाला। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा है कि कबूतरबाजी के मामलों में कड़ी कार्रवाई की जा रही है और अब तक इस सम्बंध में करीब 550 लोगों को पकड़ा जा चुका है। विज आज यहां राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान यह जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कबूतरबाजी के दो मामलों में सम्बंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को फोन कर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पेहवा से आए व्यक्ति ने शिकायत देते हुए बताया कि उसके बेटे को पुर्तगाल भेजने के नाम पर उनसे 12 लाख रुपए की धोखाधड़ी की गई लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस पर गृह मंत्री ने कुरुक्षेत्र के पुलिस अधीक्षक को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी तरह करनाल से आए व्यक्ति ने बेटे को विदेश भेजने के नाम पर 26 लाख की ठगी करने की शिकायत की। गृह मंत्री इस मामले में भी पुलिस अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने निर्देश दिए।

राजस्थान को जैविक प्रदेश बनाने मांग

जयपुर। भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ ने राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से राज्य को जैविक प्रदेश बनाने की मांग की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अतुल गुप्ता के नेतृत्व में कल यहां एक प्रतिनिधिमण्डल ने श्री मिश्र से मुलाकात कर उन्हें इस आशय का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्यपाल को अवगत कराया कि भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ मूलत: देश में रासायनिक खेती को पूरी तरह से बंद करने अर्थात जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान एवं अन्य राज्यों के कृषि से जुड़े किसानों को मार्गदर्शन का काम कर रहा है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि राजस्थान में देश का 11 प्रतिशत क्षेत्र कृषि योग्य भूमि है। राज्य में 50 प्रतिशत सकल सिंचित क्षेत्र है जबकि 30 प्रतिशत शुद्ध सिंचित क्षेत्र है, यानी 177.78 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में खेती की जाती है। प्रदेश में कृषि जोत का औसत आकार 3.07 हैक्टेयर है, जो कि देश में कृषि जोत के आकार के आधार पर राजस्थान का क्रमश: नागालैंड, पंजाब एवं अरूणाचल प्रदेश के बाद चौथा स्थान है। उन्होंने कहा कि संघ प्रदेश को वर्ष-2030 तक पूर्ण जैविक राज्य बनाने की दिशा में काम कर रही है। हालांकि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने वर्ष-2017 में जैविक कृषि नीति जारी की। इसके बाद भी समय-समय पर जैविक खेती को लेकर प्रयास होते रहे हैं, मगर उनका वास्तविक रूप से धरातल पर काम देखने को नहीं मिला।

रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी का लाइसेंस रद्द, 8 साल की प्रक्रिया के बाद कार्रवाई

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार ने रॉबर्ट वाड्रा के एक प्रोजेक्ट का लाइसेंस कैंसल कर दिया है। सत्ता में आने के 8 साल बाद भाजपा सरकार ने यह कार्रवाई की है। भाजपा सरकार ने गुरुग्राम में बनाए जा रहे स्काईलाइट हॉस्पिटालिटी प्राइवेट लिमिटेड का रियल एस्टेट लाइसेंस कैंसल कर दिया है। साल 2008 में जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी, रॉबर्ड वाड्रा को यह लाइसेंस दिया गया था। अब टाउन ऐंट कंट्री प्लानिंग, हरियाणा के डायरेक्टर की तरफ से यह कार्रवाई की गई है।

साल 2012 में स्काई लाइट ने कमर्शल कॉलोनी बनाने का यह लाइसेंस डीएलएफ को ट्रांसफर कर दिया था। रियल एस्टेट डिवलपमेंट लाइसेंस से किसी को रिहाइशी, कमर्शल या इंडस्ट्रियल कॉलोनी बनाने का अधिकार मिल जाता है। 2012 में एक लैंड डील काफी विवाद में थी। आईएएस अशोक खेमका ने स्काईलाइट के 3.35 एकड़ के म्यूटेशन को रद कर दिया था। उस वक्त वह चकबंदी विभाग के महानिदेशक थे।

इसके बाद यह मामला चर्चा में था।

दरअसल हरियाणा में 2014 में जब भाजपा सरकार आई तो हुड्डा सरकार की तरफ से रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी को दिए गए लाइसेंस पर खूब घेराबंदी हुई। अब विभाग ने लाइसेंस रद्द कर दिया है। अब उस जमीन पर कोई भी निर्माण कार्य नहीं हो सकेगा। दरअसल हुड्डा सरकार ने काफी सस्ती कीमत में यह जमीन रॉबर्ट वाड्रा को दी थी लेकिन बाद में इसे बड़ी कीमत में डीएलएफ को बेच दिया गया।

हरियाणा सरकार ने जस्टिस एसएस ढींगरा की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किय था। इस जांच की रिपोर्ट सरकार को काफी पहले सौंप दी गई थी। कोर्ट ने आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने पर रोक लगाई थी। स्काईलाइट ने जब जमीन डीएलएफ को बेंची तो नए टाइटल के साथ स्क्रूटनी फीस जमा की गई और सरकार के पास आवेदन किया गया।

2012 में कॉलोनी की बिल्डिंग बनाने का प्लान अप्रूव हुआ था। 2017 तक प्रोजेक्ट कंप्लीट होना था। डीएलएफ लाइसेंस रिन्यू करवाना चाहता था। जब ऐसा नहीं हुआ तो 2011 में नए लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया। 2012 में तत्कालीन डीजी अशोक खेमका ने म्यूटेशन रद्द कर दिया। लाइसेंस रिन्यू हुआ था लेकिन उसपर भी आपत्ति की गई।

रोड रेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को एक साल की सजा, 1988 का है मामला

नई दिल्ली। पूर्व पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को एक साल जेल की सजा सुनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 1988 रोड रेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू को एक साल की कैद की सजा सुनाई। बता दें कि रोडरेज मामले में नवजोत सिंह सिद्धू की सजा बढ़ाने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। पीड़ित परिवार की ओर से इस मामले में पुनर्विचार याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने नवजोत सिंह सिद्धू को बरी करने के अपने मई 2018 के आदेश की समीक्षा की है। आदेश के अनुसार सिद्धू को पंजाब पुलिस हिरासत में

लेगी। सिद्धू को आईपीसी की धारा 323 के तहत अधिकतम संभव सजा दी गई है।

यह फैसला जस्टिस चेलमेश्वर और जस्टिस संजय किशन कौल की डिवीजन बेंच ने दिया। शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया था जिसमें उन्हें गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराया गया था। उच्च न्यायालय ने सिद्धू और एक अन्य आरोपी को तीन साल की कैद और प्रत्येक को एक लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई थी।

क्या है मामला?

नवजोत सिद्धू का वर्ष 1988 में पटियाला में पार्किंग को लेकर झगड़ा हुआ था जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी। इस मामले में पहले सुप्रीम कोर्ट ने सिद्धू को 1 हजार का जुर्माना लगाकर छोड़ दिया था। इसके खिलाफ पीड़ित पक्ष ने पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी।

क्या है आईपीसी की धारा 323 जिसके तहत सिद्धू को सुनाई गई है सजा

भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के अनुसार, जो भी व्यक्ति (धारा 334 में दिए गए मामलों के सिवा) जानबूझ कर किसी को स्वेच्छा से चोट पहुँचाता है, उसे अधिकतम एक साल जेल की सजा का प्रावधान है।

इसके तहत मुजरिम को एक साल कारावास या एक हजार रुपए तक का जुर्माना या दोनों के साथ दंडित किया जा सकता है।

सफलता के बीच जिम्मेदारियों के प्रति समर्पण में जीवन की सार्थकता : मंगुभाई

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जीवन में विपरीत परिस्थितियों में आत्मविश्वास बनाए रखते हुए निरंतर निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते रहना महत्वपूर्ण है। सफलता के बीच जिम्मेदारियों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने में ही जीवन की सार्थकता है। राज्यपाल श्री पटेल ने आज यहाँ ओरिएंटल इंस्टीट्यूट के कॉनक्लेस्ट-2022 को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव सभी की जिंदगी में आते रहते हैं। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि जीवन में अनेक कठिनाइयों के बीच कार्य करते हुए, वह इस मुकाम तक पहुँचे हैं। उन्होंने कहा कि उनका सदैव यह प्रयास रहता है कि वह समाज के सबसे पिछड़े वंचित वर्ग के कल्याण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। उनके लिए यथाशक्ति अधिकतम परिश्रम के साथ कार्य करें। उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों और कॉनक्लेस्ट समारोह के आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत नृत्य नाटिका गणेश वंदना, नमामि देवी नर्मदे और प्रदर्शित लघु फिल्म की संकल्पना में निहित सामाजिक, आध्यात्मिकता को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नदी और पेड़ जीवन का आधार है, जिनसे हमें पेयजल और प्राणवायु प्राप्त होती है। सुखी जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण, नदियों की स्वच्छता, संरक्षण और पौध रोपण किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जहाँ राजपाट और संपत्ति के लिए भाई-भाई में संघर्ष के किस्से देखने को मिलते है। वहीं सरदार पटेल ने समझा-बुझाकर देश की साढ़े पाँच सौ से अधिक रियासतों को राजपाट त्यागने के लिए तैयार करने का अभूतपूर्व कार्य किया है।

छात्रों के यौन उत्पीड़न का आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड की अल्मोड़ा पुलिस ने अपने ही विद्यालय के छात्रों के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी सरकारी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी कई दिनों से मेडिकल अवकाश के बहाने फरार था।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपाधीक्षक ओशिन जोशी की अगुवाई में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने आरोपी शिक्षक को बुधवार को ज्योलिकोट-भवाली तिराहे से गिरफ्तार कर लिया।

अल्मोड़ा के रानीखेत तहसील के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सालीखेत के करीब छह छात्रों ने अपने ही विद्यालय के शिक्षक ऐबरन कुमार गंगवार पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाए थे। इस प्रकरण के संज्ञान में आते ही अभिभावकों में आक्रोश फैल गया और वह 12 मई को विद्यालय आ धमके। उन्होंने आरोपी अध्यापक के खिलाफ कार्रवाई को लेकर काफी हंगामा किया।

आरोपी सहायक शिक्षक के पद पर तैनात है। वह 2006 से इस विद्यालय में तैनात है। आरोपी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद के ग्राम बाजपुर, जोखनपुर का निवासी है और उसे इस घटना की भनक लगते ही मेडिकल अवकाश के बहाने लापता हो गया। क्योंकि मामला राजस्व क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। इसलिये आरोपी के खिलाफ पहले राजस्व पुलिस में मामला दर्ज कराया गया।

जिला प्रशासन की ओर से मामले की गंभीरता को देखते हुए नियमित पुलिस को इस प्रकरण की जांच सौंप दी गयी। शिकायतकर्ता हरीश चंद्र जोशी की शिकायत पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ यौन शोषण संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया।

साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार राय के निर्देश पर मामले की जांच अल्मोड़ा की महिला थाना प्रभारी बरखा कन्याल को सौंपी गयी। यही नहीं आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपाधीक्षक ओशिन जोशी की अगुवाई में एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने आरोपी शिक्षक को बुधवार को ज्योलिकोट-भवाली तिराहे से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी शिक्षक इससे पहले अल्मोड़ा जनपद के ही सल्ट में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिनौला सल्ट में तैनात रह चुका है।

शादीशुदा प्रेमिका के मर्डर के चार दिन बाद आशिक ने ट्रेन के आगे कूदकर की खुदकुशी

विशाखापट्टनम। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में गुरूवार को एक शख्स ने ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। मृतक पर एक महिला की हत्या का आरोप था जिसके साथ कथित तौर पर उसका एक्ट्रा मेरिटल अफेयर चल रहा था। मृतक की पहचान 35 साल के पद्मा राव की तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक पद्मा राव ने गुरूवार तड़के निदुब्रोलू रेलवे स्टेशन के पास तिरुपति-विशाखापत्तनम डबल डेकर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मृतक की जेब से उसका आई कार्ड मिला जिसके आधार पर उसके परिवार को सूचित किया गया। मृतक के परिजनों ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान कर ली है। पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले मृतक ने 27 साल की डी शारदा नाम की एक महिला को कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी थी। न्यूज एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार शाम को राव ने डी शारदा की उस वक्त चाकू मारकर हत्या कर दी थी जब वो चावली गांव में अपने घर के सामने काम कर रही थी। जानकारी के मुताबिक राव को देखकर डी शारदा ने भागने की कोशिश की लेकिन राव ने उसका पीछा किया और जबतक वो अपनी स्कूटी तक पहुंचती, राव ने उसकी गर्दन में चाकू मार दिया जिससे डी शारदा की मौके पर ही मौत हो गई। डी शारदा की मां ने राव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन तब से राव अपने घर से फरार था।

स्थानीय लोगों के मुताबिक शारदा ने 2008 में उसी गांव के एक लड़के से शादी की थी। शारदा के दो लड़के और एक बेटी है। बताया जा रहा है कि करीब चार साल पहले शारदा और राव की दोस्ती हुई जो बाद में रिश्ते में बदल गई।

कहा जा रहा है कि राव शारदा से संबंध रखना चाहता था लेकिन शारदा राव के साथ संबंध और आगे जारी नहीं रखना चाहती थी लिहाजा गुस्से में आकर राव ने शारदा की हत्या कर दी।

आतंक के लिए फंडिंग : कश्मीरी अलगाववादी यासीन मलिक दोषी करार, सजा पर 25 को बहस

नई दिल्ली। कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक को अदालत ने गुरुवार को औपचारिक तौर पर दोषी करार दिया। इससे पहले आतंक के लिए फंडिंग मामले में कड़े गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत सभी आरोपों को लेकर मलिक ने पिछली तारीख पर अपना जुर्म कबूल लिया था। पटियाला हाउस स्थित विशेष न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत ने एनआईए अधिकारियों को जुर्माना की राशि निर्धारित करने के लिए मलिक की

वित्तीय स्थिति का आकलन करने और सजा पर बहस के लिए मामले को 25 मई तक के लिए स्थगित करने के निर्देश दिए। मलिक ने अदालत से कहा था कि वह उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों का सामना नहीं करना चाहता। जिसमें यूएपीए की धारा 16 (आतंकवादी अधिनियम), 17 (आतंकवादी अधिनियम के लिए धन जुटाना), 18 (आतंकवादी कृत्य करने की साजिश) और 20 (आतंकवादी गिरोह या संगठन का सदस्य होना) और धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) एवं आईपीसी की धारा 124-ए (देशद्रोह) शामिल हैं। अदालत ने इससे पहले फारूक अहमद डार उर्फ बिट्टा कराटे, शब्बीर शाह, मसर्रत आलम, मोहम्मद यूसुफ शाह, आफताब अहमद शाह, अल्ताफ अहमद शाह, नईम खान, मोहम्मद अकबर खांडे, राजा मेहराजुद्दीन कलवाल सहित कश्मीरी अलगाववादी नेताओं के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए थे। बशीर अहमद भट, जहूर अहमद शाह वटाली, शब्बीर अहमद शाह, अब्दुल राशिद शेख और नवल किशोर कपूर। आरोप पत्र लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन के खिलाफ भी दायर किया गया था, जिन्हें मामले में भगोड़ा घोषित किया गया है।

चुनावों में कार्यकर्ताओं की होती है महत्वपूर्ण भूमिका : ज्योतिरादित्य

शिवपुरी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायतों के चुनाव निचले स्तर तक के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, इसीलिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी को जीताने के लिए पूरी ताकत से जुट जाना है।

केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने यहाँ आज दोपहर में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में शीघ्र ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायतों के चुनाव होने वाले हैं। इन सब चुनाव में निचले स्तर तक के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। हम सबको पूरी ताकत से मेहनत करके अपनी पार्टी को जिताना है।

उन्होंने कहा कि इसके बाद विधानसभा और लोकसभा के चुनाव भी आएगें, इसलिए हमें अभी से भाजपा को जीताने के लिए जुट जाएं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार पूरे विश्व में भारत का झंडा बुलंद करती रहे, यहीं हम सब का प्रयास होना चाहिए।

चंपावत उपचुनाव : इंडियन आइडल फेम पवनदीप राजन ने मुख्यमंत्री के समर्थन में दी प्रस्तुति

नैनीताल। चंपावत उपचुनाव में नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद धीरे धीरे माहौल गरमाने लगा है। जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूरी तरह से माहौल को अपने पक्ष में करने में जुटी है, वहीं इंडियन आइडल रियलटी शो के विजेता एवं मशहूर गायक पवनदीप राजन भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समर्थन में उतरे और उन्होंने बुधवार रात को टनकपुर में बेहतरीन प्रस्तुति दी। अपनी कुशल प्रस्तुति से उन्होंने श्रोताओं को झूमने को मजबूर कर दिया। टनकपुर के गांधी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी भीड़ मौजूद रही। खासकर युवाओं ने पवनदीप राजन के गीतों का पूरा लुत्फ लिया। मुख्यमंत्री धामी की धर्मपत्नी गीता धामी और चंपावत के निवर्तमान विधायक कैलाश चंद्र गहतोड़ी भी इस मौके पर मौजूद रहे। पवनदीप राजन ने तेरी मिट्टी में मिल जावां, प्यारी जन्म भूमि मेरो पहाड़ जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी और श्रोताओं को झूमने को मजबूर कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कई फिल्मी गाने भी गाये। उनकी बहिन ने भी उनके साथ शमां बांधा। इससे पहले श्रीमती गीता धामी, मुख्यमंत्री के खासमखास कैलाश गहतोड़ी और पवनदीप राजन ने दीप प्रज्ज्वलित कर संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्रीमती धामी ने इस मौके पर चंपावत की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि लोगों से जो अपार स्नेह मिल रहा वह अभूतपूर्व है। उन्होंने जनता को भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री जनता की आशाओं पर खरा उतरेंगे और चंपावत का चहुंमुखी विकास करेंगे। कैलाश गहतोड़ी ने भी जनता को संबोधित किया और मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने मेरे विनम्र अनुरोध को स्वीकार किया। उन्होंने आगे कहा कि चंपावत के विकास की स्वार्थ सिद्धि के लिये उन्होंने मुख्यमंत्री के लिये पद का त्याग किया और उन्हें चंपावत से उप चुनाव लड़ने के लिये आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने भी उन्हें निराश नहीं किया और उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया। उन्होंने जनता से अपील की कि आने वाले 31 मई को मतदान के दिन भारी संख्या में मतदान करें और मुख्यमंत्री को ऐतिहासिक जीत दिलायें। जिससे चंपावत का विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री धामी चंपावत से उप चुनाव लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस की निर्मला गहतोड़ी मैदान में है। मुख्य रूप से यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच टक्कर है। भाजपा की ओर से यहां जोरशोर से प्रचार किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड की विकास योजनाओं में बीपीसीएल करेगा निवेश

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य में नवीकरणीय एवं अन्य परियोजनाओं के विकास और शत-प्रतिशत वित्तीय निवेश किये जाने के लिए राज्य सरकार और भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बीच गुरुवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में सरकार की ओर से सचिव ऊर्जा आर मीनाक्षी सुन्दरम और बीपीसीएल की ओर से मुख्य महाप्रबंधक नवीनीकरण ऊर्जा शैली अब्राहम व अधिशासी निदेशक अमित गर्ग ने हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री ने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा विशेष तौर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति होगी। ऊर्जा और पर्यटन राज्य के विकास के दो प्रमुख आधार हैं। प्रदेश में आर्थिक विकास के साथ-साथ उद्योगों और घरेलू क्षेत्र में ऊर्जा की मांग बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की पूरी कोशिश है कि उत्तराखण्ड ऊर्जा सरप्लस (आधिक्य) राज्य बने। इसके लिये सौर ऊर्जा पर भी ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता, प्रक्रियाओं के सरलीकरण की है। जितना ज्यादा प्रक्रियाओं को सरल किया जाएगा उतना ही राज्य में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश होगा। हमें पेशेवर दृष्टिकोण को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिये हमें इकोनोमी और इकोलॉजी में संतुलन रखते हुए आगे बढ़ना है। इस दृष्टि से नवीकरणीय ऊर्जा बहुत महत्वपूर्ण है।

श्री धामी ने बीपीसीएल को राज्य में सौर ऊर्जा में आगे आने के लिये धन्यवाद किया और कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर सम्भव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य की ऊर्जा नीति में जरूरी होने पर सुधार किये जाएं और विशेष तौर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक संस्थाओं और उद्यमियों को हर सम्भव सहयोग दिया जाए। बीपीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण कुमार सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड में नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के लिये कंपनी काम करेगी।

राजस्थान में पेयजल की कमी वाले जिलों में टैंकरों से आपूर्ति के निर्देश

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में चारा डिपो खोलने एवं पेयजल की कमी वाले जिलों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्देश दिए गए। इसमें राज्य के ऐसे जिले जो अकाल से प्रभावित नहीं है और जहां पर चारे के भाव बढ़े है, उनमें चारा डिपो खोलने के लिए जिला कलक्टर्स को अधिकृत किया गया है।

साथ ही पेयजल की कमी वाले जिलों के लिए पूर्व में जिला कलक्टर को पानी की उपलब्धता के लिए हरसंभव उपाय करने के निर्देश दिए गए। मंत्रिपरिषद की बैठक में टैंकरों द्वारा पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराने से लेकर अन्य सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए फिर से निर्देश दिए गए। इसके लिए जिला कलक्टर्स को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है।

मंत्रिपरिषद में विद्युत उपलब्धता की कमी एवं देश में कोयला संकट के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा राज्यों पर आयातित कोयला की मात्रा 10 प्रतिशत तक बढ़ाकर खरीदने की अनिवार्यता से प्रदेश पर पड़ने वाले वित्तीय भार पर भी चर्चा की गई। साथ ही प्रदेश में कोयले की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कराने और अतिरिक्त स्टॉक रखने के लिए भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत 'हर गांव में काम' की सुनिश्चितता के लिए ग्रामीण विकास विभाग को नियमित मॉनिटरिंग कराने के निर्देश दिए गए।

मंत्रिपरिषद में शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं के कारण होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एक मंत्रिमंडलीय उपसमिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। साथ ही राज्य में गौशालाओं एवं नंदी शालाओं के सुचारू संचालन एवं उनके लिए चारागाह भूमि आवंटित कराने के भी निर्देश दिए गए।

नई दिल्ली शुक्रवार 20 मई 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

रणजी क्रिकेट प्लेयर आकाश सिंह की ताबड़तोड़ बैटिंग

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। रणजी क्रिकेट प्लेयर आकाश सिंह की ताबड़तोड़ बैटिंग। आकाश सिंह ने 29 बॉल पर 51 रन बनाए, टीम के अन्य सहयोगी साहिल ने 63 बॉल पर 61 रन बनाए और राकेश परिहार ने 6 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट लिए। ए एस मेमोरियल टूर्नामेंट में खेले गए एक मुकाबले में ST ANGEL ACADEMY की तरफ से खेलते हुए इन तीनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने विरोधी टीम M10 CRICKET ACADEMY 11 को कड़ी चुनौती दी। आकाश सिंह ने ए एस मेमोरियल टूर्नामेंट के इस मैच में बड़ी तेजी से 29 बॉल पर 51 रन बनाए। मैदान पर उनका शॉट सिलेक्शन बहुत ही शानदार रहा। आकाश इसी अंदाज से अरुणांचल प्रदेश रणजी टीम की तरफ से खेलने के लिए जाने जाते है।

केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचारी मंसूबों पर हाईकोर्ट ने पानी फेरा : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने माननीय उच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें हाई कोर्ट ने केजरीवाल सरकार की डोर स्टेप डिलीवरी को नकार दिया है। श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि भाजपा का तो शुरू से ही मानना था कि अरविंद केजरीवाल डोर स्टेप डिलीवरी से एक बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। उनका उद्देश्य गरीबों को अनाज देना कभी नहीं रहा बल्कि उनका उद्देश्य अपने लोगों के जेबें भरना था। आदेश गुप्ता ने कहा कि देश के अंदर पहले से ही नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत हर एक राशनकार्ड धारक को सस्ते दामों पर चावल, गेंहू देने की व्यवस्था बनी हुई है। इसको डिजिटल माध्यम से पारदर्शी बनाने का भी एक सफल प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन राशन कार्ड केंद्र सरकार की योजना को लागू करने में देरी करने के पीछे यही कारण था कि केजरीवाल डोर स्टेप डिलीवरी लागू करना चाहते थे ताकि उसमें अपने लोगों को दलाल के रूप में एंट्री दिलाकर भ्रष्टाचार करें। लेकिन कोर्ट ने केजरीवाल के भ्रष्टाचारी मंसूबे पर पानी फेर दिया है। आदेश गुप्ता ने कहा कि गैर कानूनी ढंग से डोर स्टेप योजना को दिल्ली में लागू करने की कोशिश कर रहे केजरीवाल को कभी भी गरीबों की चिंता नहीं रही है। चाहे वह कोरोना काल हो या फिर राशन बांटने की बात हो। पिछले सात सालों में एक भी राशन कार्ड नहीं बनाया और कोरोना काल के दौरान दिल्ली के 72 लाख राशनकार्ड धारकों के लिए मिले मुफ्त राशन को केजरीवाल ने बटनें नहीं दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के गरीबो को दिए जाने वाले राशन को केजरीवाल सरकार ने गोदाम में रखकर ही सड़ा दिया और उसमें घुन और पत्थर डालने का काम भी इनके डीलरों ने किया जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। आज केजरीवाल के भ्रष्टाचार के मंसूबे पर पानी फेरकर माननीय अदालत ने दिल्लीवालों को बचाने का काम किया है।

महिलाओं के लिए खास बसें महिलाएं ही चलाएंगी, जानें खासियत

साहिबाबाद। पिंक बस के संचालन के लिए साहिबाबाद डिपो में महिला चालक की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए कानपुर स्थित परिवहन निगम के प्रशिक्षण संस्थान में 18 महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मुख्यालय की तरफ से पिंक बस के लिए महिला चालक की नियुक्ति की जाएगी। साहिबाबाद डिपो में 18 पिंक बसों का लखनऊ, गोरखपुर, प्रयागराज, आगरा, सोनौली, महेंद्र नगर, हरिद्वार, देहरादून सहित अन्य शहरों के लिए संचालन हो रहा है। मौजूदा समय में सभी पिंक बसों का संचालन पुरुष चालक द्वारा किया जा रहा है। इसमें महिला और पुरुष दोनों यात्रियों को अनुमति दी गई है। महिला चालक मिलने के बाद पिंक बस में महिला परिचालक साथ रहेंगी। जो महिला यात्रियों का विशेष ध्यान रखेंगी। इसके लिए महिला परिचालक को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। रोडवेज के अधिकारियों का कहना है कि साहिबाबाद डिपो में 12 महिला परिचालक हैं। जिन्हें पिंक बस से जोड़ा जा रहा है। जल्द ही महिला परिचालक पिंक बस में महिला चालक के साथ नजर आएंगी। रोडवेज के अधिकारियों का कहना है कि पिंक बस में महिला चालक मिलने के बाद पुरुष यात्री सफर करेंगे या नहीं इस पर बाद में निर्णय होगा। महिलाओं की सुविधा के लिए विशेष तौर पर चलाई जाने वाली वातानुकूलित 40 सीट वाली पिंक बस सेवा साहिबाबाद बस डिपो से वर्ष 2019 में शुरू किया गया था।

नौकायान प्रतियोगिता में सोहना के तीन खिलाड़ियों ने जीते पदक

सोहना। भोपाल के लोवर लेक में चल रही 32वीं राष्ट्रीय नौकायान प्रतियोगिता के पहले दिन सोहना के तीन खिलाड़ियों ने पांच मेडल जीते। इस प्रतियोगिता में इडियन क्याकिंग एडं कोइंग एसोसिएशन के नौ खिलाड़ी अलग-अलग प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। सोहना से 738 किलोमीटर दूर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की लेक लोवर में शहर के भी नौकायान खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। मंगलवार से शुरू हुई इस छह दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सोहना खंड के नौ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें से तीन खिलाड़ियों ने पहले दिन अपने-अपने पूल में प्रतिभा दिखाकर एक रजत, एक कांस्य पदक जीता है। संजना ने एक कांस्य पदक जीता है। रविंद्र ने एक कांस्य और एक रजत पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 22 मई तक चलेगी, जिसमें सभी खिलाड़ी कड़ी टक्कर देकर मेडल जीतने की भूमिका में रहेंगे। खिलाड़ी रविंद्र का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि उनके अन्य साथी खिलाड़ी भी शानदार प्रदर्शन करके जीत हासिल करेंगे।

धनकोट में सड़क न बनने से लोगों का हाईवे पर हंगामा

गुरुग्राम। धनकोट क्षेत्र में रोड न बनाने से नाराज लोगों ने बुधवार सुबह हाईवे को जाम कर दिया। करीब आधे तक जाम लगाने के बाद सरपंच के आश्वासन पर जाम खोल दिया। सुबह के समय होने की वजह से वाहनों की लाइन लग गई। लोगों ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी को अल्टीमेट दिया कि एक हफ्ते में समस्या का समाधान नहीं होगा तो इस रोड पर गुजरने वाले वीआईपी मूमेंट को रोकने को विवश होंगे। गांव के सरपंच दिनेश कुमार ने कहा कि जब से नगर निगम में धनकोट को शामिल किया गया, इसके बाद भी यहां सड़कों की मरम्मत हो रही है, ना ही इसका निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोड पर पानी बहने से यह टूट गया है। बाईपास के पैसे मंजूर होने पर भी प्रशासन रोड को नहीं बना रहा है। इस रोड से 50 हजार रोजाना निकलते है। सोमवार से लेकर शनिवार तक आये दिन लंबा जाम लग जाता है। सरपंच ने कई दफा पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, परंतु प्रशासन एक दूसरे पर काम को थोप कर पला झाड़ रहे है। लोगों को जैसे तैसे समझा कर जाम को खुलवा दिया गया, ताकि लोगों को इस गर्मी में परेशानी नहीं हो।

बिजली चोरी से हर महीने 75 करोड़ रुपये की चपत

गाजियाबाद। जनपद में बिजली चोरों को मुकदमे और जुर्माने का कोई डर नहीं है। वह विद्युत निगम को हर माह 75 करोड़ की चपत लगा रहे हैं। जबकि महज डेढ़ माह में निगम 834 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही पांच करोड़ का जुर्माना लगा चुका है। हर माह पावर कारपोरेशन जिले में बिजली आर्पूति पर करीब 400 करोड़ रुपये खर्च करता है, जिसमें से विद्युत निगम के पास करीब 80 फीसदी राजस्व का हिसाब ही होता है। करीब 20 फीसदी राजस्व का हर माह नुकसान झेलना पड़ रहा है। जबकि जिले में बिजली चोरी रोकने के लिए विद्युत निगम ने पिछले डेंढ़ साल में करीब 130 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। बावजूद इसके बिजली चोरी नहीं रुक पाई। हर माह जिले में करीब 75 करोड़ यानी रोजाना दो से ढ़ाई करोड़ की बिजली चोरी हो रही है, जिसे रोकना विद्युत निगम के लिए चुनौती बना हुआ है।

नयी शिक्षा नीति देश के उज्जवल भविष्य का दस्तावेज : शाह

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देश के उज्जवल भविष्य का दस्तावेज करार देते हुए कहा है कि इसमें भारतीय मूल्यों में निहित शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना को मौजूदा समय के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया गया है।

शाह ने गुरुवार को यहां दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'स्वराज से नव-भारत तक भारत के विचारों का पुनरावलोकन' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। तीन दिवसीय इस संगोष्ठी का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने किया है। उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने विश्वविद्यालय और विद्यार्थी को परिवर्तन के विचार, नीति और कल्पना का वाहक बताया और कहा कि जब भी युग बदलता है तो उस परिवर्तन का वाहक हमेशा विश्वविद्यालय ही होता है। आज देश में इतने सारे विश्वविद्यालयों के बीच भी दिल्ली विश्वविद्यालय ने न केवल अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है, बल्कि अपने नेतृत्व के गुण को भी संजोकर रखा है। उन्होंने कहा, अंग्रेजों ने वर्ष 1922 में देश की राजधानी बदल कर दिल्ली यूनिवर्सिटी की स्थापना की और कई ऐतिहासिक प्रसंगों का दिल्ली विश्वविद्यालय साक्षी रहा है। वर्ष 1975 में देश के लोकतंत्र को बचाने के आंदोलन में भी दिल्ली यूनिवर्सिटी का बहुत बड़ा योगदान रहा। देश के अनेक आंदोलनों का साक्षी और उन्हें परिणाम तक पहुंचाने का माध्यम दिल्ली विश्वविद्यालय रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश में 2014 से परिवर्तन का जो युग शुरू हुआ है दिल्ली विश्वविद्यालय भी इसका वाहक बनेगा।

शाह ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत के भविष्य का उज्जवल दस्तावेज है। 2020 की नई शिक्षा नीति में भारतीय मूल्यों में निहित शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना को आज के समय के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया गया है। हर प्रकार के ज्ञान को एक प्लेटफार्म देने का प्रयास है, रोजगारी को भी प्लेटफार्म देने का प्रयास है।

बच्चा सिर्फ पढ़ लिखकर सिर्फ ग्रेजुएट होकर बाहर न निकले, बच्चे में जो क्षमता भरी पड़ी है, उन क्षमताओं का संपूर्ण दोहन करने का उसको प्लेटफार्म देना पड़ेगा। वह अपनी क्षमताओं का सबसे ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर पाए इस प्रकार से उसको तैयार करना चाहिए और यह व्यवस्था नई शिक्षा नीति में है।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति को बारीकी से देखेंगे तो मालूम पड़ेगा कि यह देश के लिए 5-3-3-4 का जो नया मॉडल आया है वो 10 प्लस 2 के मॉडल की जगह कितना उपयुक्त होने वाला है। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि पहले पांच साल मातृभाषा में पढ़ाई बच्चे के विकास के लिए बहुत जरूरी है। न केवल बच्चे के विकास के लिए बल्कि देश के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है क्योंकि हमारी संस्कृति, इतिहास, साहित्य, व्याकरण बच्चे को उसकी मातृभाषा में पढ़ाया जाए और अगर बच्चा उसी से कट जाता है तो वह अपने मूल से कट जाता है।

शाह ने कहा, देश की शिक्षा व्यवस्था में सिर्फ अंग्रेजी ही नहीं बल्कि दुनिया की किसी भी भाषा का अभ्यास करें लेकिन अगर मैं गुजराती न पढ़ूं, हिंदी न पढ़ूं तो मैं अपने आप को इस देश की मूल धारा के साथ जोड़कर नहीं रख पाऊंगा। मोदी जी ने इस पर थ्रस्ट दिया है। हमारी सरकार ने कई प्रकार से सोच-विचार कर, कई लोगों के सुझाव लेकर नयी शिक्षा नीति को लागू करने का निर्णय किया है।

उन्होंने कहा कि शायद यह पहली शिक्षा नीति है जिसका कोई विरोध नहीं कर पाया है और सबने इसका स्वागत किया है। यही बताता है कि यह कितनी समावेशी है। इसका उद्देश्य नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना, आत्मसात करना, शोध और पेशेवरों की एक ऐसी फौज तैयार करना है जो देश में अनुसंधान एवं विकास और पेशेवर अंदाज को बढ़ायेगी।

शाह ने कहा कि कुछ लोग इस देश को समस्याओं का देश कहते हैं, लेकिन लाखों समस्याओं का समाधान भी इस देश के विचार में ही है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी को वैचारिक लड़ाई और हिंसा का अखाड़ा नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, आईडियोलॉजी यूनिवर्सिटी से ही उत्पन्न होती है। युवा आईडियोलॉजी में संघर्ष की जगह विमर्श को स्थान दें, जो श्रेष्ठ है वह अपने आप बाहर आ जाएगा। आईडियोलॉजी के लिए लड़ने की जरूरत नहीं है क्योंकि लड़ने से कभी आईडियोलॉजी प्रस्थापित नहीं होगी और न ही हम इसका प्रचार और प्रसार कर सकते हैं, न ही इसकी स्वीकृति ला सकते हैं। विचार और विमर्श से ही स्वीकृति आती है, आईडियोलॉजी आगे बढ़ती है और आईडियोलॉजी युगो युगो तक चलती है। अगर आईडियोलॉजी संघर्ष का रास्ता बनती है तो वह आईडियोलॉजी ही नहीं है, कम से कम इस देश की तो है ही नहीं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय 'स्वराज से नव-भारत तक भारत के विचारों का पुनरावलोकन' एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है।

इस महत्वपूर्ण विषय के समय दिल्ली यूनिवर्सिटी के सौ साल हो रहे हैं और देश की आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज़ादी के अमृत काल की शुरुआत हो और 75 से 100 साल की अमृत काल की ये यात्रा हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने इन 25 सालों को संकल्प सिद्धि के 25 साल के रूप में वर्णित किया है।

भाजपा ने पोल खोल अभियान में पूरी ताकत झोंकी

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी सरिता विहार मंडल द्वारा वीरवार को जसोला में केजरीवाल सरकार के खिलाफ पोल खोल अभियान गगनभेदी नारों के साथ चलाया गया। सैकड़ो कार्यकर्ता के साथ किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विनोद सहरावत, पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल, मयूर विहार जिलाध्यक्ष डॉ. विनोद बछेती, जिला उपाध्यक्ष व ओखला विधान सभा प्रभारी संजय शर्मा, मण्डल अध्यक्ष पवन पांडे, मनीष चौधरी, संजीव कौशिक, रमेश यादव, डॉ लेखराज सिंह आदि शामिल हुए।

इसके पूर्व दिल्ली प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल के नेतृत्व में सरिता विहार के बी, सी, जी पॉकेट में केजरीवाल सरकार के पोल खोल अभियान के दौरान आम जनता को केजरीवाल सरकार के 10 प्रमुख झूठे वादों की सच्चाई बतलाई गई। घर-घर जनसंपर्क कर पत्रक भी वितरित किया गया।

मौके पर मंडल अध्यक्ष पवन पांडे, महामंत्री जन्मेजय शर्मा, ओपी पांडे, मंत्री जितेंद्र शर्मा, नीरज दुबे, नेहा सागर, गुलाब सिंह, पप्पू, मनीष, सोनू, सरोज मिश्रा आदि मौजूद रहे।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। नाम मात्र की डीटीसी बसें जो रोड पर चल रही हैं वह भी खटारा है।

एसी बसें सड़कों से गायब हो गई हैं। पेयजल को लेकर मारामारी है, इसके लिए हत्याएं तक हो रही है। गत सात सालों में एक भी नया स्कूल व अस्पताल नहीं बना है। स्कूलों में हजारों प्राध्यापक व अध्यापक के पद रिक्त पड़े हुए हैं। दिल्ली की जीवनदायिनी मां यमुना गंदे नाले में तब्दील हो गई हैं।

वृद्धों व दिव्यांगों की पेंशन बंद कर दी गई है। राशन कार्ड बनाना बंद कर दिया है। लाखों लोगों को नौकरी देने का वादा करने वाले केजरीवाल हजार लोग को भी नौकरी नहीं दे पाए हैं। किरायेदारों को किराया व मुफ्त बिजली भी अभी तक नहीं दिया है। दिल्ली जल बोर्ड पर 57 हजार करोड़ का कर्जा चढ़ा दिया है और डीटीसी का 11 हजार करोड़ रुपए घाटा बढ़ गया है। दिल्ली को लंदन और पेरिस बनाने का सपना दिखाने वाले केजरीवाल ने दिल्ली को दंगा और शराब की नगरी बना दिया है।

प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि केंद्र सरकार की सैकड़ों योजनाओं पर केजरीवाल सरकार कुंडली मारकर बैठ जाती है और उन्हें दिल्ली में लागू नहीं करने देती है।

मण्डल अध्यक्ष पवन पांडे ने बताया कि चार दिनों से यह अभियान सरिता विहार के विभिन्न बूथों पर सुबह व शाम को चलता है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल हिटलर के नक्शे कदम पर चल रहे हैं क्योंकि हिटलर का मानना था अगर सौ बार झूठ बोला जाए तो वह भी लोग सच मानने लगते हैं परंतु भाजपा के कार्यकर्ता केजरीवाल के इस सोच को जनता के बीच पोल खोलकर ही दम लेंगे।

आजादी के गुमनाम नायकों को समर्पित रहा नाटक दास्तान-ए-रोहनात

फरीदाबाद। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सेक्टर-12 स्थित प्रदर्शनी सभागार में आयोजित किया गया नाटक दास्तान-ए-रोहनात पूरी तरह से आजादी के गुमनाम नायकों को समर्पित रहा। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के कलाकारों ने दास्तान- ए-रोहनात नाटक का मंचन किया।

वाकई नाटक का मंचन रोहनात गांव के गुमनाम महानायकों को सच्ची श्रद्धांजलि कहा जा सकता है। सभागार में दर्शक बीच में ही भारत माता की जय के नारे लगाने लगे।

प्रस्तुत किए गए वंदे मातरम गीत पर दर्शकों ने खड़े होकर गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि दी। रोहनात गांव की गाथा आजादी के संघर्ष को नाटक में दिखाया गया। रोहनात के शहीद, आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। भिवानी जिला के छोटे से गांव रोहनात के गुमनाम महानायकों पर आधारित नाटक में कलाकारों ने आजादी का कड़ा संघर्ष प्रस्तुत किया।

ऐसे ही गुमनाम नायकों नोन्दा जाट, बिरड़ा दास और रूप राम खाती तथा गांव रोहनात के लोगों के आजादी के लिए कड़े संघर्ष को इस नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था। इस नाटक में रोहनात गांव की क्रांति के साथ-साथ अंग्रेजों की कूटनीतिक चालों, डिवाइड एंड रूल पॉलिसी, अंग्रेजों द्वारा किए गए अत्याचार सहित कई अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को प्रस्तुत किया गया था।

परिषदीय स्कूलों में नए सत्र के दौरान पुरानी किताबों से पढ़ाई

गाजियाबाद। जनपद के परिषदीय स्कूलों में नया सत्र शुरू हुए डेढ़ माह से भी ज्यादा का वक्त बीत गया है, लेकिन अब तक छात्रों को नई किताबें नही मिल सकी हैं। हालत ये है कि बच्चों को पुरानी किताबों से ही पढ़ाई करनी पड़ रही है। पुरानी किताबें भी सभी बच्चों को मुहैया नही हो सकी हैं। स्कूलों में 20 मई से गर्मियों की छुट्टियां शुरू हो रही हैं। ऐसे छात्रों के सामने छुट्टियों का काम पूरा करने की समस्या है।

जनपद के 448 सरकारी परिषदीय स्कूलों में एक अप्रैल से नया सत्र भले ही शुरू हो चुका है, लेकिन बच्चों को अभी तक नई किताबें नहीं मिल पाई हैं। अध्यापक पुरानी किताबों के जरिए ही बच्चों की पढ़ाई करवा रहे हैं। दूसरी ओर इन स्कूलों में छात्रों के नामांकन बढ़ाने के लिए स्कूल चलो अभियान के तहत रैली, कैंप और प्रवेश उत्सव के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन जिले में पहले से ही नामांकित 80 हजार से ज्यादा छात्रों को निशुल्क पाठ्य पुस्तक तक नहीं दी गई है, जिसके चलते बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। छात्रों के सामने छुट्टियों का गृहकार्य पूरा करने की चुनौती: 20 मई यानी आज से स्कूलों में ग्रीष्म कालीन अवकाश शुरू हो रहा है।

एनकाउंटर के बाद नीरज बवाना-टिल्लू ताजपुरिया गैंग के तीन शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजधानी के वजीराबाद फ्लाईओवर के पास मुठभेड़ के बाद कुख्यात गैंगेस्टर नीरज बवाना-टिल्लू ताजपुरिया गैंग के तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में स्पेशल सेल में तैनात एक एसआई को भी गोली लगी है। गिरफ्तार आरोपियों में बवाना निवासी पवन सहरावत (30), बहादुर गढ हरियाणा निवासी आशु (21) और हापुड निवासी गौरव त्यागी (27) शामिल हैं।

पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी गैंगवार में अपने विरोधी गुट के सदस्यों और उनके परिवार के लोगों पर हमला करने की तैयारी से आए थे, तभी पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर वजीराबाद

इलाके इनकी घेराबंदी की तो मुठभेड़ हो गई। बहरहाल पुलिस ने इन आरोपियों के पास से दो सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, दो देसी कट्टे, 19 जिंदा कारतूस और सात चले हुए कारतूस बरामद किए हैं।

डीसीपी राजीव रंजन सिंह ने बताया कि उनकी टीम को आरोपियों के बारे में गुप्त सूचना मिली तो इनहें बुराड़ी की तरफ जाने वाले आउटर रिंग रोड़ पर घेर लिया गया और उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा गया। लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं। इस कार्रवाई के दौरान एक सब इंस्पेक्टर विक्रम की बुलेट प्रूफ जैकेट में गोली लगी। एक गोली उनके पैर में भी लगी। लेकिन पुलिस ने तीनों आरोपियों को काबू कर लिया।

ब्रह्मप्रकाश की गोलियों से भूनकर की थी हत्या

पूछताछ में यह पता चला कि आरोपी पवन सहरावत गोगी गैंग के सदस्य ब्रहम प्रकाश की हत्या के मामले में वांछित था। गत सात मई को खेरा खुर्द इलाके में रहने वाले ब्रह्म प्रकाश (55) की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। वह गोगी गैंग के गैंगस्टर कपिल उर्फ कालू खेरा के पिता थे। हत्या की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई थी। इस सीसीटीवी में आरोपी पवन और अमित नजर आ रहे थे। तभी से पुलिस इनके पीछे लगी हुई थी। इस बीच गत 18 मई को टेक्नीकल सर्विलांस की मदद से पुलिस टीम ने पवन व उसके अन्य साथियों की लोकेशन ट्रेस की और उनका पीछे करते हुए वजीराबाद इलाके में पहुंची। जहां तीनों के साथ मुठभेड़ हुई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इस बाबत स्पेशल सेल थाने में हत्या की कोशिश, सरकारी काम में बाधा डालने और आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कानूनी कार्रवाई की।

दिल्ली एम्स में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड समेत 300 रुपये तक की सभी जांच हुई मुफ्त

नई दिल्ली। एम्स दिल्ली में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए अच्छी खबर है। एम्स में अब 300 रुपये तक की सभी जांच मुफ्त हो गई हैं। अब मरीजों को जांचों के लिए बिल की लंबी लाइन में नहीं लगना पड़ेगा और गरीब मरीजों को इससे राहत भी मिलेगी। दरअसल, एम्स में कई ऐसे मरीज आते हैं जिनके लिए 300 रुपये देने भी मुश्किल होता है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने डॉक्टर शिव चौधरी समिति निर्देश की उन उन सिफारिशों को स्वीकृति दे दी है जिसमें समिति ने संस्थान में 300 रुपये तक की जांच मुफ्त करने की सिफारिश की थी।

इसके लिए एम्स के चिकित्सा अधीक्षक ने आदेश भी जारी कर दिया है।

दरअसल, मरीजों को राहत देने के लिए बनी एम्स की समिति ने संस्थान में पहुंचने वाले मरीजों के लिए 500 रुपये से कम शुल्क की हर तरह की जांच निशुल्क करने की सिफारिश की थी। समिति ने कहा कि अगर मरीजों के लिए 500 रुपये तक की जांच मुफ्त की जाती हैं तो उन्हें अधिकतर जांचों के लिए बिल की लाइन में नहीं लगना पड़ेगा और गरीब मरीजों को इससे राहत भी मिलेगी।

एक्सरे और अल्ट्रासाउंड समेत कई जांच मुफ्त हुई

एम्स में अब एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, हॉरमोन की सारी जांच, अधिकतर ब्लड जांच, हिस्टोपैथोलॉजिकल जांच, एफनेसी, बायोप्सी जांच, लिवर फंक्शन जांच, किडनी की फंक्शन जांच आदि मुफ्त हो गए हैं। एम्स के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक अस्पताल में एक्सरे की वेटिंग खत्म कर यह देखा गया कि अधिकतम कितने एक्सरे होते हैं। इसके बाद पता चला कि पहले एक दिन में 170 एक्सरे होते थे लेकिन वेटिंग खत्म करने के बाद 700 एक्सरे हो रहे हैं। अभी एक्सरे के लिये 30 रुपये का शुल्क लिया जाता है।

अगर यह माफ कर दिया जाता है तो अधिक खर्च नहीं बढ़ेगा। इसी तरह अल्ट्रासाउंड के लिए भी 200 रुपये का ही शुल्क लिया जाता है। अब यह भी बिना शुल्क की लाइन में लगे सीधे किया जा सकेगा।

जल संकट : लगातार सातवें दिन दिल्ली में पानी की किल्लत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को लगातार सातवें दिन जलापूर्ति बाधित रही। यह परेशानी अगले ओर कुछ दिन जारी रहने के आसार हैं। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक दिन में वजीराबाद बैराज पर यमुना नदी का जलस्तर सामान्य से 6 फूट नीचे पहुंच गया है। यहां का जलस्तर 668.40 दर्ज किया गया। जबकि सामान्य दिनों में यह 674.50 रहता है। हरियाणा से करीब 150 क्यूसेक कच्चा पानी कम छोड़ा रहा है। जिससे यमुना नदी का स्तर नीचे आ गया है। इसके अलावा गर्मी होने के चलते दिल्ली में पानी की मांग 1200 एमजीडी से अधिक है। जबकि जलस्तर कम होने से वजीराबाद और ओखला संयंत्रों से पानी उत्पादन 50 फीसदी तक कम हो रही है। पानी आपूर्ति कम होने से लोगों को परेशानी हो रही है। लोग पीने के लिए 20 लीटर की बोतल 20 से 100 रुपए तक खरीदकर पी रहें हैं। पानी की कमी से रोजमर्रा का काम प्रभावित हो रहा है। हालांकि दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि जिन इलाकों में पानी किल्लत हैं वहां टैंकर से पानी आपूर्ति बहाल रखने का प्रयास किया जा रहा है।

यहां पानी किल्लत

सिविल लाइन, हिंदू राव अस्पताल और आसपास के क्षेत्र, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाड़गंज, एनडीएमसी क्षेत्र, पुराना और नया राजिंदर नगर, पटेल नगर (पूर्व और पश्चिम), बलजीत नगर, प्रेम नगर, इंद्रपुरी और आसपास के क्षेत्र, कालकाजी, गोविंदपुरी, तुगलकाबाद, संगम विहार, अंबेडकर नगर प्रहलादपुर, रामलीला ग्राउंड, दिल्ली गेट, सुभाष पार्क, मॉडल टाउन, गुलाबी बाग, पंजाबी बाग, जहांगीरपुरी, मूलचंद, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश, बुराड़ी, दिल्ली छावनी बोर्ड व दक्षिणी दिल्ली के कुछ हिस्से में।

दिल्ली में पेड़ों को काटने पर हाईकोर्ट ने अगले आदेश तक लगाई रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को अगले आदेश तक राजधानी में पेड़ों को काटने पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली की पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय गिरावट को कम करने का कोई अन्य तरीका नहीं है। न्यायालय ने इस फैसले से सरकार सहित विभिन्न विभागों की कई परियोजनाएं प्रभावित होंगी।

जस्टिस नज्मी वजीरी ने पेड़ों के संरक्षण को लेकर पारित आदेशों के उल्लंन के आरोप में दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आरादेश दिया है। उन्होंने कहा कि 'पिछले 3 सालों में 29 हजार से अधिक पेड़ काटे गए हैं, ऐसे में सवाल उठता है कि क्या दिल्ली इसका खामियाजा भुगतने के लिए तैयार है। न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि अगले आदेश तक दिल्ली में पेड़ों को काटने पर रोक रहेगी। इसके साथ ही, न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 2 जून को तय किया है।

कोर्ट ने कहा है कि पेश रिपोर्ट के अनुसार सरकार के वन विभाग ने दिल्ली में पिछले 3 सालों में 29,946 पेड़ों को काटने की अनुमति दी। यानी विभाग ने प्रतिदिन 27 और प्रति घंटे 1.13 पेड़ काटने की अनुमति दी। कोर्ट ने कहा है कि जिन पेड़ों को काटने की अनुमति दी गई थी या पेड़ों के संबंधित प्रत्यारोपण की स्थिति के संबंध में कोई रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि पूरी तरह से विकसित पेड़ों के बड़े पैमाने पर काटने से शहर के पारिस्थितिकी को खराब करता है।

कोर्ट ने कहा है कि इसलिए यह सार्वजनिक हितों के साथ-साथ मौजूदा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की खातिर, अगले आदेश तक दिल्ली में पेड़ों को काटने पर रोक रहेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पेड़ों की कटाई तभी की जाए, जब आवेदक द्वारा पूरी तरह से भरोसा दिया गया हो कि पेड़ों को प्रत्यारोपित किया जाएगा। न्यायालय ने कहा है कि निश्चित रूप से राजधानी में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय गिरावट को कम करने का कोई अन्य तरीका नहीं है।

कोर्ट ने कहा है कि तथ्यों से साफ है कि बड़े पैमाने पर पूरी तरह से विकसित पेड़ों को काटना दिल्ली के पारिस्थितिकी संतुलन को खराब करता है।

संपादकीय

जनता की नाक में दम कर चुकी महंगाई सरकार के लिए भी बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकती है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कोरोना महामारी ने देश के करोड़ों लोगों को लंबे समय तक बेरोजगार कर दिया और यूक्रेन-युद्ध ने तेल की कीमतों में वृद्धि करवा दी। तेल की कीमतें बढ़ीं तो उसके कारण देश में एक जगह से दूसरी जगह जाने वाली हर चीज की कीमत बढ़ गई।

महंगाई यदि इसी तरह बढ़ती रही तो देश में अराजकता भी फैल सकती है। ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस समय थोक चीजों के दाम में 15.08 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। इतनी महंगाई 31 साल बाद बढ़ी है। इन तीन दशकों में महंगाई जब थोड़ी-सी भी बढ़ती दिखाई देती थी तो देश में शोर मचना शुरू हो जाता था। संसद में शोर मचने लगता था, सड़कों पर प्रदर्शन होने लगते थे और सरकारों की खाट खड़ी होने लगती थी लेकिन इस वर्ष बढ़ी महंगाई को लोग दो कारणों से अभी तक बर्दाश्त किए हुए हैं। एक तो कोरोना महामारी की वजह से और दूसरे यूक्रेन-युद्ध के कारण! कोरोना महामारी ने देश के करोड़ों लोगों को लंबे समय तक बेरोजगार कर दिया और यूक्रेन-युद्ध ने तेल की कीमतों में वृद्धि करवा दी। तेल की कीमतें बढ़ीं तो उसके कारण देश में एक जगह से दूसरी जगह जाने वाली हर चीज की कीमत बढ़ गई। भयंकर गर्मी के कारण साग-सब्जी, फलों और दूध की कीमतों ने भी उछाल ले लिया। पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतें इतनी उचका दी गईं कि मध्यम-वर्ग के लोग भी हैरान और परेशान हैं। गांव के लोग तो फिर भी चूल्हे-अंगीठी से गुजारा कर सकते हैं और कार व फटफटी की बजाय साइकिल से अपने काम निकाल सकते हैं लेकिन शहरी लोग क्या करें? बसों और मेट्रो के किराए लगभग दुगुने हो गए हैं। आम आदमी की मुसीबतें ज्यादा बढ़ गई हैं। अनाज, दाल, मसालों जैसी रोजमर्रा की चीजें खरीदते वक्त उसके पसीने छूटने लगते हैं। मध्यम वर्ग, कर्मचारी वर्ग और मेहनतकश लोगों की आमदनी तो जस की तस है लेकिन उनका खर्च सवाया-डेढ़ा बढ़ गया है। कुछ लोगों को तो अपना रोजमर्रा का जीवन चलाने के लिए बैंकों से अपनी स्थायी जमा राशियों को तुड़ाना पड़ गया है। लेकिन हमारी तेल बेचने वाली कंपनियों ने इस दौर में अरबों रु. का मुनाफा कमाया है। जीएसटी की जरिए सरकारों को भी अभूतपूर्व आमदनी हो रही है लेकिन सरकार ने आम जनता को इधर कौन-सी विशेष राहत दी है? सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांट रही है, यह तो बहुत अच्छा है लेकिन उसने अपने खर्चे में कौन-सी कटौती की है? मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और पार्षदों के वेतन, भत्ते, और तरह-तरह के खर्चों में बचत की क्या जरूरत नहीं है? इसके अलावा यदि थोक चीजों के दाम 15 प्रतिशत बढ़े हैं तो ज़रा बाजारों में जाकर मालूम कीजिए की उनके खुदरा दाम कितने बढ़े हैं? कई चीजों के दाम दुगुने-तिगुने हो गए हैं। उन्हें रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है? इस महंगाई ने मालदार लोगों को पहले से कहीं ज्यादा मालदार बना दिया है। वे बेलगाम खर्चीली जिंदगी बिता रहे हैं। अच्छा होता कि हमारे नेता लोग अपने खर्चे भी घटाते और मालदार लोगों को कम खर्च में जिंदगी चलाने की प्रेरणा भी देते। मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों के विरुद्ध आवश्यक सख्ती भी कहीं दिखाई नहीं पड़ रही है। महंगाई यदि बर्दाश्त के बाहर हो गई तो प्रचंड बहुमत वाली इस लोकप्रिय सरकार की नाक में दम हो सकता है।

मुस्लिमों को समझाने की बजाय हर बार भड़काने का काम क्यों करता है पर्सनल लॉ बोर्ड?

संजय सक्सेना

वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर कोर्ट में चल रहे विवाद में अब ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) की भी इंट्री हो गई है, लेकिन वह इस बार भी हमेशा की तरह निष्पक्ष की बजाए भड़काऊ मुद्रा में नजर आ रहा है। बोर्ड धमका रहा है कि मस्जिदों के अपमान को मुसलमान बर्दाश्त नहीं कर सकते। साम्प्रदायिक शक्तियां अराजकता पर उतारू हैं और अदालतें भी पीड़ितों को निराश कर रही हैं। साथ ही बोर्ड ने ज्ञानवापी को लेकर फैसला किया कि वह खुद पूरे मामले को टेक ओवर करेगी। इसके लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। यह कमेटी ज्ञानवापी मस्जिद की तरफ से कोर्ट से लेकर अन्य सभी मामलों पर पैरवी करेगी, जहां भी मस्जिदों को लेकर विवादित मामले चल रहे हैं। खैर, कथित तौर पर देश में मुसलमानों का प्रमुख संगठन समझे जाने वाले ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देश में मुसलमानों की इबादतगाहों को कथित रूप से निशाना बनाए जाने पर केन्द्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार से अपना रुख स्पष्ट करने की तो मांग की है, लेकिन वह इतिहास पढ़ने और मुसलमानों को यह बताने को तैयार नहीं है कि जिन विवादित धार्मिक स्थलों को वह मुसलमानों के पवित्र इबादतगाह बता रहे हैं, दरअसल उसे मुगल शासकों ने हिन्दुओं के प्रमुख मंदिरों को तोड़कर इबादतगाह में बदला था, जो पूरी तरह से गैर इस्लामी कदम था। बोर्ड ने विरोध ही नहीं किया है इससे आगे बढ़कर ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में मस्जिद इंतजामिया कमेटी और उसके वकीलों को विधिक सहायता मुहैया कराने का फैसला किया है। बोर्ड ने इबादतगाहों पर विवाद खड़ा करने की 'असल मंशा' के बारे में जनता को बताने के लिए जरूरत पड़ने पर देशव्यापी आंदोलन चलाने का भी निर्णय लिया है। बोर्ड के कार्यकारिणी सदस्य कासिम रसूल इलियास ने एक न्यूज एजेंसी को दिए बयान में बताया कि बोर्ड की कार्यकारी समिति (वर्किंग कमेटी) की 17 मई की रात एक आपात वर्चुअल बैठक हुई थी, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। इलियास ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही मस्जिद ईदगाह मामलों का जिक्र करते हुए बताया कि बैठक में इस बात पर अफसोस जाहिर किया गया कि मुल्क में मुसलमानों की इबादतगाहों को निशाना बनाया जा रहा है। बोर्ड के नुमांइदे बता रहे हैं कि वर्ष 1991 में संसद में सबकी सहमति से बनाए गए पूजा स्थल अधिनियम की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं तो इस हिसाब से तो सीएए/ एनआरसी, तत्काल तीन तलाक पर बनाए गए कानून का भी विरोध नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह कानून भी तो संसद में ही बने हैं, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसी प्रकार से इस्लाम में मुल्ला-मौलवियों, यहां तक कि इबादत के लिए मस्जिद की भी जरूरत नहीं है। क्यों बोर्ड समान नागरिक संहिता का विरोध करता है? क्यों वह मुसलमानों को यह नहीं बताता है कि काफिर किसे कहा जाता है? क्योंकि अधिकांश मुस्लिम अहमदियों को मुस्लिम नहीं मानते हैं। दरअसल, 1973 में बना ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड पूरी तरह से एक गैर-सरकारी संगठन है। ये संगठन कब बना, किसने बनाया? नाम से तो यही लगता है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड है तो इसे मुसलमानों ने ही बनाया होगा। पर यह सच नहीं है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का विचार 1973 में सबसे पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के दिमाग में आया था। इसकी सबसे बड़ी वजह यही थी कि उस समय देश में इंदिरा गाँधी की लोकप्रियता बहुत तेजी से घटने लगी थी। तब इंदिरा गाँधी ने सेक्युलर भारत में मुसलमानों के तुष्टिकरण के लिए स्वयं मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की 1973 में स्थापना की थी। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के लिए इंदिरा गाँधी के विशेष नियम भी बनाया। इस संस्था का आज तक कभी ऑडिट नहीं हुआ है, इसे विशेष छूट मिली हुई है। बोर्ड के पास अरब देशों से कितना पैसा आता है, उस पैसे का वह क्या करता है, किसी को कुछ नहीं पता। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का हाल यह है कि 91 फीसदी मुस्लिम महिलाएं ट्रिपल तलाक के खिलाफ हैं फिर भी मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ट्रिपल तीन तलाक के मामले पर सुप्रीम कोर्ट को हिंसा तक की धमकी देता है।

चिंतन तो हो गया पर शिथिल पड़ती जा रही कांग्रेस में चेतना नहीं आ पाई

रमेश सर्राफ धमोरा

कांग्रेस के चिंतन शिविर के समापन के अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस शिविर को बहुत सार्थक और उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि हम 2 अक्टूबर गांधी जयंती से कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत करेंगे।

राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस पार्टी का तीन दिवसीय चिंतन शिविर संपन्न हो गया है। एक लंबे अरसे के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित इस चिंतन शिविर में पार्टी के 400 से अधिक वरिष्ठ नेताओं ने भाग लेकर लगातार तीन दिनों तक इस बात पर चिंतन मनन किया कि पार्टी को भविष्य में आम मतदाताओं से कैसे जोड़ा जाए। कांग्रेस के गिरते जनाधार को लेकर पार्टी नेता बहुत अधिक चिंतित नजर आ रहे हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस पार्टी 2014 व 2019 में दो बार लोकसभा चुनाव हार चुकी है। इसके साथ ही कांग्रेस राज्य विधानसभाओं के चुनाव भी लगातार हारती जा रही है।

कभी देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी के पास इस समय लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद भी नहीं है। अपने बूते पार्टी सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार चला रही है। महाराष्ट्र, झारखंड में कांग्रेस छोटे दल के रूप में गठबंधन की सरकार में शामिल है। राज्यसभा में भी कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। ऐसी परिस्थितियों में पार्टी नेताओं का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। कुछ समय से कांग्रेस पार्टी में कई वरिष्ठ नेता जी-23 नामक समूह बनाकर गांधी परिवार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। ऐसे में चिंतन शिविर का आयोजन कर कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

इस चिंतन शिविर से निकले विमर्श के बाद कांग्रेस पार्टी में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। चिंतन शिविर में नेताओं के आपसी विचार विमर्श के बाद सभी ने एक सुर में गांधी परिवार के प्रति आस्था जतायी। जो पार्टी नेतृत्व पर गांधी परिवार की पकड़ को दर्शाता है। चिंतन शिविर में जुटे सभी नेता इस बात से चिंतित नजर आ रहे थे कि यदि कांग्रेस का जनाधार इसी तरह कम होता गया तो आने वाले समय में पार्टी हाशिए पर चली जाएगी। ऐसी ऐसी स्थिति से बचने के लिए सभी को एक साथ मिलकर जनाधार बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

उदयपुर के चिंतन शिविर में पार्टी नेतृत्व कई कड़वी सच्चाई से अवगत भी हुआ और उन्हें सार्वजनिक रूप से स्वीकार भी किया। शिविर के खत्म होने पर अपने भाषण में राहुल ने साफ तौर पर कहा कि जनता से हमारा सम्पर्क टूट गया है। हमें बिना सोचे जनता के बीच जाकर बैठ जाना चाहिए। हमें उस सम्पर्क को हमें फिर से बनाना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी को आम लोगों से अपने संवाद के तरीके में भी बदलाव करना पड़ेगा।

अपने उदयपुर दौरे से राहुल गांधी ने अपनी बॉर्न विद द् सिल्वर स्पून इन माउथ यानि कि चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वाली इमेज को खत्म करने की कोशिश की है। इसी के चलते आमतौर पर हवाई जहाज से सफर करने वाले राहुल गांधी ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ इस बार दिल्ली से उदयपुर तक रेल से यात्रा की। राहुल गांधी हर स्टेशन पर ट्रेन से निकल कर कार्यकर्ताओं से मिले। ताकि खुद का लोगों से जुड़ाव दिखा सकें। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर कुलियों से भी मुलाकात की। उदयपुर पहुंचने के बाद रेलवे स्टेशन से होटल तक जिस बस में अन्य नेताओं को जाना था उसी बस में राहुल भी सवार होकर गए। उदयपुर के होटल ताज अरावली में राहुल गांधी के लिए लग्जरी प्रेजिडेंशियल सुईट बुक था। मगर राहुल गांधी सामान्य कमरे में रुके। जहां कांग्रेस के अन्य दूसरे नेता रुके थे। इस दौरान डिनर टेबल और मीटिंग्स में भी राहुल गांधी काफी सहज नजर आए। राहुल गांधी ने दिल्ली वापसी के दौरान भी चार्टर प्लेन के स्थान पर नियमित विमान से ही यात्रा की।

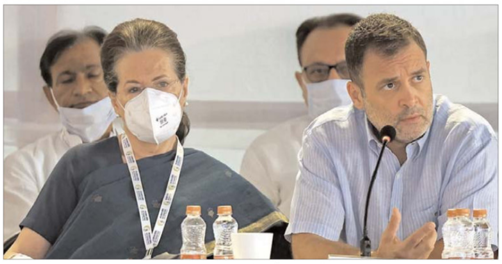

कांग्रेस के इस चिंतन शिविर के समापन पर पार्टी में होने वाले कई बड़े सुधारों की भी घोषणा की गई थी। जिसमें मुख्य रूप से पार्टी में युवाओं की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया गया है। पार्टी में एक परिवार एक टिकट का फार्मूला लागू करने, संगठन में हर स्तर पर युवाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने और अगले लोकसभा चुनाव से 50 प्रतिशत टिकट 50 साल से कम उम्र के लोगों को देने पर का भी फैसला किया गया है। इस चिंतन शिविर के समापन के बाद कांग्रेस पार्टी की तरफ से उदयपुर नव संकल्प जारी किया गया। जिसमें राजनीतिक मुद्दों, संगठन से जुड़े विषयों, पार्टी के भीतर सुधारों, कमजोर तबकों को फिर से साथ जोड़ने, युवाओं, छात्रों और आर्थिक मुद्दों पर पार्टी का नजरिया रखा गया। साथ ही आगे के कदमों का भी स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया।

कांग्रेस के चिंतन शिविर के समापन के अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस शिविर को बहुत सार्थक और उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि हम 2 अक्टूबर गांधी जयंती से कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत करेंगे। हम सब लोग इसमें भाग लेंगे। यात्रा का मकसद सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना और संविधान के उन बुनियादी मूल्यों की रक्षा करना है जिस पर हमला हो रहा है। उन्होंने बताया कि 15 जून से जिला स्तर पर 'जन जागरण अभियान' का दूसरा चरण आरंभ होगा जिसमें बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दों को पुरजोर ढंग से उठाया जाएगा।

चिंतन शिविर के समापन के मौके पर सोनिया गांधी ने घोषणा की कि कांग्रेस कार्य समिति के कुछ सदस्यों को लेकर अब एक सलाहकार समूह बनाया जाएगा। सोनिया गांधी ने कहा कि एक समग्र कार्य बल बनेगा जो उन आंतरिक सुधारों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा। जिन पर इस चिंतन शिविर में चर्चा हुई है। यह सुधार 2024 के लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किए जाएंगे और इसमें संगठन के सभी पहलुओं को शामिल किया जायेगा। शिविर में पार्टी ने पब्लिक इनसाइट विभाग, राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान और चुनाव प्रबंधन विभाग का गठन करने और स्थानीय स्तर पर मंडल समितियां बनाने का भी फैसला किया है। कांग्रेस पार्टी ने इससे पूर्व 1998 में मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में पहला चिंतन शिविर का आयोजन किया था। उस दौरान भी पार्टी केंद्रीय सत्ता से बाहर थी और आज की तरह कई चुनौतियों का सामना कर रही थी। उस शिविर में कांग्रेस पार्टी ने फैसला किया था कि उन्हें चुनाव जीतने के लिए किसी पार्टी से गठबंधन की जरूरत नहीं है। पार्टी को भरोसा था कि पार्टी अपने नेताओं के बल पर चुनाव जीतेगी। 2003 में पार्टी ने शिमला में चिंतन शिविर का आयोजन किया था। इस शिविर में कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन की अहमियत को समझा और गठबंधन की राह पर जाने का फैसला किया। जिसकी बदौलत 2004 में कांग्रेस केंद्र में सरकार बनाने में सफल रही और लगातार 10 वर्ष तक केंद्र में शासन किया।

कांग्रेस का तीसरा चिंतन शिविर 2013 में जयपुर में आयोजित किया गया था। जिसमें राहुल गांधी को नेता प्रोजेक्ट करना मुख्य उद्देश्य था। उस शिविर के बाद राहुल गांधी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि 2013 के चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी की हालत लगातार कमजोर होती चली गई। जिसके चलते पार्टी ने इस बार फिर उदयपुर में चिंतन शिविर का आयोजन किया है। ऐसा लगता है कि इस चिंतन शिविर के बहाने कांग्रेस पार्टी अपनी आंतरिक कमजोरियों को दूर करेगी और 2024 का लोकसभा चुनाव पूरी ताकत लगा लगा कर लड़ेगी। इस चिंतन शिविर के बाद राहुल गांधी को एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है ताकि उनके नेतृत्व में 2024 के लोकसभा चुनाव लड़ा जा सके।

यदि चिंतन शिविर में लिए गए प्रस्तावों व संकल्पो पर पार्टी दृढ़ निश्चय रहकर आगे बढ़ती है तो आने वाले समय में कांग्रेस को निश्चित तौर उसका पर लाभ मिलेगा। फिलहाल कांग्रेस पार्टी को अपना पूरा ध्यान आम मतदाता से जुड़ने पर लगाना होगा। तभी 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी।

विभीषण की बात मानने पर क्यों मजबूर हो गया था रावण ?

सुखी भारती

भगवान श्रीराम जी अपने भक्तों पर आँच भला कैसे आने दे सकते हैं। वे तो हैं ही सृष्टि नायक। वे जब चाहें, जिसे चाहें, उसे अपनी कृति में कोई पात्र निभाने को दे सकते हैं। वे चाहें तो चींटी को भी ताज पहना सकते हैं। और उनकी इच्छा हो, तो वे वन के राजा सिंह से भी मूषक की स्तुति करवा सकते हैं। उनकी दिव्य लीलायें विचित्र से भी विचित्र हैं। श्रीहनुमान जी को नि:संदेह, अब लंका का प्रत्येक वानर मारना चाहता था। कारण कि श्रीहनुमान जी ने अपने नन्हें से लंका प्रवास में, अनेकों राक्षसियों के सुहाग को उजाड़ दिया था। और अब तो राक्षसराज रावण का भी आदेश हो चुका था, कि इस वानर को पकड़ का मारो। राक्षस भले ही बजरंग बली महाराज जी से अतिअंत भयभीत थे। लेकिन श्रीहनुमान जी को प्राणहीन देखना, सभी के हृदय की तीव्र अच्छा थी। मानों कि राक्षस, श्रीहनुमान जी को मारने के लिए दौड़ ही पड़े थे। लेकिन ठीक उसी अवसर पर श्रीविभीषण जी का आगमन हो जाता है। और श्रीविभीषण जी रावण के हाथ-पैर जोड़ने लगते हैं। वे रावण को दृढ़ भाव से कहते हैं, कि हे नाथ! आप तो नीति के प्रकाण्ड ज्ञाता हो। फिर भला आप से यह भूल कैसे हो सकती है। आपने तो चारों वेदों को कंठस्थ किया हुआ है। नौ व्याकरणों का आपने सार जाना है। फिर भला आपके हाथों से यह अनीति पूर्वक कार्य, आखिर हो ही कैसे सकता है? आप तीनों लोकों के स्वामी हो। समस्त सुर-असुर, किन्नर, भूत-पिशाच इत्यादि, आपको आदर्श मानते हैं। वे भला आपसे क्या शिक्षा लेंगे। इसलिए एक दूत को मार कर, वह भी एक वानर को, नि:संदेह इससे संपूर्ण जगत में आपकी कीर्ति की हानि ही होगी। इसलिए मेरी विनति है, कि आप दूत को कतई न मारें। हाँ, आपको लगता है, कि दूत ने आपके सम्मान को अधिक चोट पहुँचाई है, तो आप किसी अन्य दण्ड पर विचार कर सकते हैं-रावण ने सुना, तो एक बार के लिए तो वह सोच में पड़ गया। इसलिए नहीं कि उसे श्रीविभीषण जी की सीख बहुत सुहानी लगी थी। अपितु रावण यह सुन कर मन ही मन प्रसन्न हो रहा था, कि चलो मेरी प्रभुता का गुणगान, किसी ने तो किया। वरना यह वानर तो मुझे ऐसे लताड़ रहा था, कि एक बारगी तो मुझे भी ऐसा प्रतीत होने लगा था, कि मेरी तो कुछ औकात की नहीं। दुष्ट कपि के शब्द-बाण ऐसे तीक्षण थे, कि मुझे भीतर ही भीतर छलनी किए जा रहे थे। यूँ लग रहा था, जैसे लंका का राजा मैं नहीं, अपितु यह वानर है, और मैं तो एक बंदी हूँ। लेकिन यह तो भला हो मेरे प्रिय भाई का, कि उसने मुझे मेरी वास्तविक्ता से पुन: परिचय करवाया। कुछ भी है, भाई तो फिर भाई ही होता है। इसे पता है, कि मेरा वास्तविक बल व सामर्थ्य क्या है। भला वानर क्या जाने, कि मेरी प्रभुता क्या है। निश्चित ही मुझे मेरे भाई की ही माननी चाहिए। जैसा नीति प्रिय न्याय मेरा भाई, मुझसे चाहता है, मैं ठीक वैसा ही करूँगा। मैं इस वानर को मृत्यु दण्ड तो रहने ही देता हूँ। रावण को क्या पता था, कि श्रीविभीषण जी ने उसकी प्रशंसा थोड़ी न की थी। बल्कि उसकी झूठी प्रशंसा करके, उसे फुलाया भर था। ताकि रावण फूल के कुप्पा हो जाये। और श्रीहनुमान जी को मृत्यु दण्ड के निर्णय को टाल दे। प्रभु कृपा से हुआ भी ऐसा ही। रावण ने अपना इरादा बदल दिया। और चौड़ा होकर बोला, कि ठीक है, हम इस वानर को मृत्यु दण्ड नहीं देंगे। लेकिन दण्ड ऐसा भी तो होना चाहिए न, कि वानर को सदैव अपनी गलती का अहसास होना चाहिए। सुना है, कि वानर को अपनी पूँछ अतिशय प्रिय होती है। क्यों न मैं इस वानर को बिना पूँछ के कर दूँ। हाँ, यह वाकई में उचित रहेगा।

आगे तीतर पीछे तीतर बोलो कितने तीतर

ट्विटर की चिड़िया इन दिनों मुश्किल में चल रही है। टेस्ला के सीईओ एनल मस्क इसे खरीदेंगे या नहीं यह सवाल खड़ा हो गया है। ट्विटर कहता है कि उसके यहां फर्जी अकाउंट पांच प्रतिशत हैं, जबकि मस्क को संदेह है कि ऐसे अकाउंट्स यानी बॉट्स की संख्या 90 प्रतिशत तक हो सकती है। वह कहते हैं कि बॉट्स की संख्या 20 प्रतिशत तो पक्का है और वे इससे कहीं ज्यादा भी हो सकते हैं। मस्क को फर्जी अकाउंट बिल्कुल नहीं चाहिए। इस नाते ट्विटर की उनकी 44 अरब डॉलर की डील अधर में अटक गई है। फर्जी अकाउंट्स का इस्तेमाल राजनीतिक और धोखाधड़ी की गतिविधियों को मनमाफिक रफ्तार देने में किया जाता है। ऐसे अकाउंट समाज में अस्थिरता फैलाते हैं। मस्क चाहते हैं कि ट्विटर के फर्जी अकाउंट्स की अच्छे से जांच कराई जाए और उन्हें हटाया जाए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में उन्होंने ट्विटर की डील से पीछे हटने का मन बना लिया है। अगर बॉट्स की जांच कराने के बाद उन सबको हटाया गया तो ट्विटर के यूजर्स की संख्या धड़ाम से नीचे आ जाएगी। सोशल मीडिया कंपनियों की आय उनके यूजर्स की संख्या के आधार पर ही होती है। ट्विटर की चिड़िया से वो गाना याद आ रहा है- तीतर के दो आगे तीतर, तीतर के दो पीछे तीतर, बोलो कितने तीतर? दुविधा इलेक्ट्रिक वेहिकल्स की इंडस्ट्री में भी बहुत है। पर्यावरण को बचाने की जद्दोजहद में सरकार ने इलेक्ट्रिक वेहिकल्स (ईवी) को बढ़ावा देने की मुहिम छेड़ी। देश में अनेक स्थानों और राजमार्गों पर बैटरी बदलने और चार्ज करने के स्टेशन बनाने की दिशा में काम तेज किया। लेकिन पिछले दिनों बैटरी से चलने वाले दोपहिया वाहनों में आग लगने की घटनाएं बढ़ती गईं। ये घटनाएं ईवी निर्माताओं पर भारी पड़ गई हैं। एक के बाद एक बैटरियों में आग लगने के बाद सरकार सख्त हो गई और हिदायत दी कि क्वालिटी सुधारो। अभी तक चीन से प्राप्त बैटरियों का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा था, जो ठंड के हिसाब से बनी थीं। भारत की गर्मी उन्हें रास नहीं आ रही थी, इसलिए गर्म होकर उनमें विस्फोट होने लगा।

जेपी आंदोलन की तरह बनारस ज्ञानवापी सर्वे में भी परदे के पीछे भूमिका निभा रहा संघ

उपेन्द्र नाथ राय

जेपी आंदोलन और आपात काल हर व्यक्ति के जेहन में आज भी गुंजता रहता है। हर जानकार यह भी जानता है कि जेपी आंदोलन में चेहरा जय प्रकाश नारायण जी थे लेकिन उसकी पूरी शक्ति राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ था और फायदा उठाने के लिए मुलायम सिंह, लालू यादव जैसे नेता रहे, जिनकी राजनीति जेपी आंदोलन के बाद चमक गयी और उन्होंने समयानुसार जातिगत राजनीति को भारतीय समाज में थोप दिया। लेकिन उसी आंदोलन के बीच धीरे-धीरे जनसंघ भी बढ़ता गया और आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सबके सामने है। इसका कारण है, भाजपा ने कभी मूल वजूद नहीं छोड़ा, अपनी विचारधारा से समझौता समयानुसार जरूर किया लेकिन उसके दिल-दिमाग में राष्ट्रवाद पनपता रहा, भाजपा के लोग समय का इंतजार करते रहे और समय आते ही राम मंदिर आंदोलन हो या कश्मीर में धारा 370 समाप्त करने का मामला, सब निस्तारण कर दिया।

जेपी आंदोलन के याद आने की एक वजह है, वाराणसी में विवादित ज्ञानवापी मस्जिद में भगवान का शिव का मिलना। इसके साथ ही मथुरा, मध्यप्रदेश के कई जगहों पर धीरे-धीरे आततायी मुगल काल के समय में तोड़े गये मंदिरों के प्रति जनता का आक्रोश पनपना। इन सबमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आगे नहीं है, वह पीछे से वैसे ही लगा हुआ है, जैसे जेपी आंदोलन में लगा हुआ था। उस आंदोलन में भी पूरा का पूरा कार्य संघ के लोग करते थे, लेकिन संघ आज भी उसे अथराइज्ड रूप से अपने को उसका कर्ताधर्ता नहीं स्वीकार करता।

भगवान शिव की महिमा भी ऐसी ही है, नंदी को बाहर कर खुद विवादित स्थल में पहुंच गये। वे हिन्दू समाज को यह बताते रहे कि देखो, हमारी नंदी हमें देख रही है लेकिन तुमको मैं नहीं दिख रहा। अंत में वाराणसी की महिलाओं की चेतना जगी और वे उसके लिए आंदोलित हो उठीं। उसका परिणाम आज सबके सामने है। ज्ञानवापी में कोर्ट द्वारा कराये गये सर्वे में जगह-जगह मंदिर के प्रतिबिम्ब दिखाई दिये हैं। अब यह लौ बुझनी नहीं है, यह तो तय हो चुका है। इसके साथ ही यह भी तय हो चुका है कि हिन्दू समाज भी जग गया है। यही जगाने की प्रतिरक्षा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इतने दिनों से पड़ा था। पहले हिन्दु समाज के सभी बिंदू को उठाने के लिए जैसे आरएसएस को अगुवा बना दिया जाता था, जबकि अपने अधिकार के लिए अपना भी कर्तव्य निभाना हर व्यक्ति का दायित्व होना चाहिए। शुरु में संघ के लोगों ने इसे किया भी लेकिन शायद ऐसा आभास हुआ होगा कि इससे पूरा समाज नहीं, सिर्फ संघ आगे बढ़ रहा है और संघ का काम जगाना है। खुद को हाइलाइट करना नहीं। इस कारण उसने इस आंदोलन में खुद को पीछे करके जनभावना को जागृत किया और आज हकीकत है कि चाहे किसी दल का नेता क्यों न हो लेकिन किसी हिन्दू से पूछे तो वह अपने शिव को मुक्त कराने के लिए तड़प रहा है। दिल उद्वेलित हो रहा है। हां, अखिलेश जैसे कुछ नेता भले ही बाहर से एक संप्रदाय को संतुष्ट करने के लिए भाजपा पर आरोप मढ़ रहे हों, लेकिन हकीकत तो यही है कि उनका दिल भी गवाही नहीं दे रहा होगा।

अब देखिए 18 मई को लखनऊ विश्वविद्यालय में एक अध्यापक को समाजवादी छात्र सभा के छात्रों के कोपभाजन का उस समय शिकार हो जाना पड़ा, जब वे भोले नाथ के मंदिर के बारे में कुछ अनर्गल बातें कर रहे थे। यह ठीक वहीं समय था, जब समाजवादी मुखिया अखिलेश यादव मीडिया के सामने भाजपा पर साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने का आरोप लगा रहा थे। उनका कहना था कि सर्वे का काम नहीं होना चाहिए। उनके इस वक्तव्य के बाद सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कई निर्गुट लोगों के भी बयान आये।

इन सबको देखते हुए ऐसा लगता है कि अब 2024 का लोकसभा चुनाव तो भाजपा शिव के भरोसे लड़ लेगी। उसको इसके लिए बहुत मेहनत की जरूरत नहीं है। शिव की महिमा के आगे सभी मुद्दे गौंड़ हो जाएंगे। इसमें सबसे बड़ी बात है कि भाजपा इस काम में कुछ भी बोल नहीं रही है और भगवान भोले नाथ के शिवलिंग मिलने पर उसकी सिर्फ मौन स्वीकृति भर है। इसको भाजपा से जोड़कर देखने और समाज को दिखाने का काम खुद विपक्ष कर रहा है।

विपक्ष जितना इसको उछालने का प्रयास करेगा, वह खुद ही धाराशायी हो जाएगा। आखिर भोले के त्रिनेत्र के आगे कौन टिक पाया है। भगवान भोले ही हैं, जब सभी देवता विपपान करने से भग गये तो वे पूरे जग को बचाने के लिए समुद्र मंथन से निकले विष का पान कर लिया और उनके गले में जाकर वह रूक गया, जिससे निलकंठ कहलाये।

भोले शिव पर केंद्रित विपक्ष की बौखलाहट भाजपा को आगे बढ़ाती जा रही है। हां, उस मुद्दे पर भाजपा भी जनभावनाओं को निहार रही है। लोगों के दिलों से निकल रही ज्वाला को वह खुद महसूस कर रही है। इस कारण वह इस मुद्दे को अब शांत रहने देना भी नहीं चाहती। आखिर फायदे का सौदे में वह क्यों शांति का अड़ंगा लगाए। यही कारण रहा कि एक बार ऐसा लगा कि वहां विवादित ज्ञानवापी का सर्वे नहीं हो पाएगा तो अचानक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बनारस पहुंच गये।

जिस दिन सर्वे होना था, उसके एक दिन पूर्व ही उनका पहुंचा जाना और बिना मीडिया को जानकारी दिये वहां से निकल जाना अधिकारियों के लिए साहस का काम किया। दूसरे दिन से ही सर्वे का काम शुरू हो गया। मीडिया के कुछ भी न कहने के बावजूद जनमानस में आज यह चर्चा का विषय बन गया कि योगी जी ने ही अधिकारियों कान भरे और दो बार से टल रहा सर्वे का काम शुरू हो गया। यह उसी तरह रहा, जैसे सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोटो वायरल हुआ और अयोध्या में मंदिर का फैसला आ गया। इसके बाद मीडिया ने उस मुद्दे पर कुछ नहीं दिया। देगा भी कैसे, उसका कोई प्रमाण तो था नहीं, लेकिन आम जनमानस के मन में यह बात घर कर गयी कि नरेन्द्र मोदी के कारण ही सुप्रीम कोर्ट का फैसला हिन्दू जनभावना के अनुसार आया है।

यथार्थ मार्ग!

कुरीतियां और बुरी आदतों को बदलें,
इस जिंदगी की राह में थोड़ा और संभले,
जितनी हो गई गलतियां उसे सुधारे,
अब तो अच्छाई की सीढ़ियों पर चढ़ले !

अपने सपनों को मरने ना दे,
बुराइयां हमारे हृदय में भरने ना दे,
मजबूत बना ले खुद को ऐसा,
कोई गलत संग का रंग चढ़ने ना दे!

दुनिया में स्वार्थ का हे भरमार,
बात-बात पर अभिमान और अहंकार,
देवता नहीं तो इंसान बन के दिखा ए मानव,
कर दे घृणा और क्रोध का संहार!

अपनी अंतरात्मा को सुनें,
सही, गलत को चिंतन से चुने,
दीन,दया,नम्रता को जिंदगी में लाकर,
इंसानियत की राह पर सही सपने बुने!

कुरीतियां और बुरी आदतों को बदलें,
इस जिंदगी की राह में थोड़ा और संभले,
जितनी हो गई गलतियां उसे सुधारे,
अब तो अच्छाई की सीढ़ियों पर चढ़ले !!

शार्ट न्यूज

पूर्वोत्तर रेलवे की फर्रुखाबाद से गुजरने वाली 08 एक्सप्रेस ट्रेनें निरस्त

फर्रुखाबाद। रेल प्रशासन ने, उत्तर प्रदेश के इज्जत नगर मंडल के फर्रुखाबाद जंक्शन एवं अन्य स्टेशनों से गुजरने वाली लंबी दूरी की आठ एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी हैं। मंडल रेल प्रवक्ता ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि रेल प्रशासन ने, गोंडा जंक्शन स्टेशन के यार्ड रिमॉडलिंग के कारण, प्री नॉन इंटरलॉकिंग एवं नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए, ब्लॉक लेने से, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल के फर्रुखाबाद जंक्शन एवं अन्य स्टेशनों से गुजरने वाली लंबी दूरी की आठ एक्सप्रेस ट्रेन को निरस्त कर दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि छपरा, मथुरा के बीच फर्रुखाबाद होकर चलने वाली 22531 सुपर फास्ट ट्रेन 30 मई, एक ,तीन, छह एवं 8 जून को तथा मथुरा छपरा के मध्य फर्रुखाबाद होकर चलने वाली 22532 एक्सप्रेस ट्रेन 30 मई, 01, 03, 06, एवं 08 जून को निरस्त रहेगी। बांद्रा टर्मिनल से गोरखपुर तक चलने वाली 05054 विशेष सप्ताहिक गाड़ी 28 मई एवं 4 जून को, फर्रुखाबाद होकर गुजरने वाली 05053 गोरखपुर बांद्रा विशेष सप्ताहिक गाड़ी 27 मई एवं 3 जून को निरस्त रहेगी। इसी क्रम में हावड़ा से 7 जून को प्रस्थान करने वाली 13019 हावड़ा काठगोदाम एक्सप्रेस ,काठगोदाम से 7 जून को प्रस्थान करने वाली 13020 काठगोदाम हावड़ा एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। इसके अलावा बांदा टर्मिनल से 22 व 29 मई एवं 5 जून को प्रस्थान करने वाली एवं फर्रुखाबाद होकर चलने वाली 22921 बांद्रा टर्मिनल गोरखपुर तथा गोरखपुर से 24 मई, 31 मई व 7 जून को प्रस्थान करने वाली 22922 गोरखपुर बांद्रा एक्सप्रेस भी निरस्त रहेगी।

इटावा में लापरवाही बरतने पर चौकी इंचार्ज निलंबित

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के फ्रैंडस कालौनी इलाके में जमीनी विवाद मे ई रिक्शा एजेंसी मालिक की हत्या के मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में महेरा चौकी इंजार्च को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने जांच रिर्पोट मिलने के बाद बुधवार देर रात निलंबन की यह कार्यवाही की । उन्होने बताया कि सुनील कुमार की कार से कुचलकर हत्या की सूचना मिलने के चार घंटे बाद मौके पर महेरा चौकी प्रभारी पवन शर्मा घटना स्थल पर पहुंचे। किसी भी बडे हादसे के बाद पुलिस चौकी इंजार्च का देरी से पहुंचना गंभीर लापरवाही है और इसी कारण निलंबन की कार्रवाई अमल मे लाई गई है । उन्होने बताया कि एसपी सिटी कपिल देव सिंह की जांच रिर्पोट मिलने के बाद निलंबन की इस कार्यवाही को किया गया है । गौरतलब है कि फ्रेंड्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुंदरपुर में बुधवार तड़के ई रिक्शा एजेंसी मालिक सुनील कुमार की जमीनी विवाद के चलते कार से कुचलकर के हत्या कर दी गई थी। इस हत्या का आरोप इलाके के कुख्यात अपराधी माने जाने वाले संजेश कुशवाहा और उनके बेटो पर लगा है जिसके बाद पुलिस ने सक्रिय होकर उनकी गिरफतारी के प्रयास शुरू कर दिये है ।

यूपी में फिर चढ़ा पारा, आंधी पानी के आसार

लखनऊ। दो दिन तक आसमान में छाये बादल के कारण गरमी से मामूली राहत महसूस कर रहे लोगों को गुरूवार को एक बार फिर लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ा जिसके चलते सूर्यास्त तक सड़कों बाजारों में अघोषित कर्फ्यू के हालात बने रहे। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में मौसम में एक बार फिर तब्दीली नजर आने का अनुमान है। इस अवधि में प्रदेश के कई स्थानो पर धूल भरी आंधी के आसार है जबकि इक्का दुक्का स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश की संभावना है। विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटे में अयोध्या मंडल में दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गयी जबकि अन्य मंडलों में मौसम में कोई खास तब्दीली नहीं हुयी। वाराणसी मंडल के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया। गोरखपुर,प्रयागराज,बरेली,झांसी और आगरा मंडलों में हालांकि तापमान में 1.6 डिग्री से लेकर तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिली। उन्होने बताया कि इस अवधि में बांदा राज्य का सबसे गर्म इलाका रहा जहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मेरठ मंडल में रात के तापमान में कमी दर्ज की गयी जबकि वाराणसी मंडल में न्यूनतम तापमान सामन्य से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया। गोरखपुर,अयोध्या,प्रयागराज,कानपुर,लखनऊ,झांसी और आगरा मंडलों में यह सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा। मेरठ में सबसे कम 21.3 डिग्री सेल्सियस रात का तापमान रहा।

आजम को आखिरकार न्याय मिला : शिवपाल

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान को मिली अंतरिम जमानत का स्वागत करते हुये कहा कि उन्हे व्यवस्था की घोर प्रताड़ना से न्याय मिला है। यादव ने गुरूवार को संस्कृत के श्लोक से ट्वीट की शुरूआत करते हुये लिखा सत्यमेव जयते नानृतं सत्येन पन्था विततो देवयान: । उन्होने कहा लम्बे अरसे से न्याय की जिस घड़ी की प्रतीक्षा थी वह आज पूर्ण हुई है। आजम खान साहब को सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत दे दी है। उन्हें व्यवस्था की घोर प्रताड़ना से न्याय मिला है। भारत की न्याय व्यवस्था उम्मीद की एक किरण है। नमन। गौरतलब है कि सपा नेता को आज उच्चतम न्यायालय से अंतरिम जमानत मिली है। उत्तर प्रदेश के रामपुर के कोतवाली थाने से जुड़े एक मामले में उन्हें यह राहत मिली है। फैसला सुनाते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि लंबित मामलों में निचली अदालत से नियमित जमानत मिलने तक अंतरिम जमानत जारी रहेगी। जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस एस गोपन्ना की पीठ ने फैसला सुनाया है।

एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के कमांडर ने किया यूपी गर्ल्स बटालियन का निरीक्षण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर रवि कपूर ने गुरूवार को 19 यूपी गर्ल्स बटालियन का वार्षिक निरीक्षण किया। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि यह किसी भी बटालियन के लिए एक सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है जहां पर उस बटालियन के पूरे वर्ष का ट्रेनिंग और एडम का निरीक्षण किया जाता है। यूनिट के कमांडिग ऑफिसर कर्नल दिनेश कनौजिया ने ब्रिगेडियर कपूर को पूरे वर्ष में हुई एनसीसी की क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही वर्ष 2022 - 23 में होने वाले क्रियाकलापों की रूपरेखा बताई। इस दौरान ब्रिगेडियर कपूर ने बटालियन के सभी फौजी और सिविलियन स्टाफ से मुलाकात की। साथ ही यूनिट के कमाडिंग ऑफिसर ने उन्हें वर्ष 2021 - 22 में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता एनसीसी गर्ल्स कैडेटों से परिचित कराया। ब्रिगेडियर कपूर ने यूनिट के रखरखाव व ट्रेनिंग की प्रशंसा करते हुये अच्छा काम करने के लिए बधाई दी। इसी के साथ ही एनसीसी विस्तार योजना के तहत ब्रिगेडियर कपूर ने रेड रोज पब्लिक स्कूल, विष्णुलोक कालोनी का दौरा किया। स्कूल ने सीनियर गर्ल्स कैडेटस के लिये एनसीसी विस्तार योजना के तहत आवेदन किया है। स्कूल में स्कूल के मैनेजर डॉ प्रशांत कुमार मिश्रा एवं चेयरपर्सन श्रीमती स्मिता मिश्रा ने स्कूल के बारे में ब्रीफ किया।

ट्रांसपोर्ट कंपनी से लाखों पर हाथ साफ करने वाला गिरफ्तार

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी से 11 लाख दस हजार की चोरी करने वाले नौकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने गुरूवार को बताया कि 17 मई देर शाम अवध कुमार अग्रवाल के गाडीपुरा स्थित सोढी ट्रांसपोर्ट कंपनी के गोदाम की अलमारी से 11 लाख 10 हजार रुपये चोरी कर लिये गये थे। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर गोदाम से नगदी चोरी करने वाले आरोपी को टीटी तिराहा से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने स्वीकारा कि उसने गोदाम के चौकीदारों को नशीला पदार्थ खिलाकर उनको बेहोश कर दिया था और गोदाम में रखी अलमारी से 11 लाख रुपए रुपये चोरी कर लिये थे ।

यूपी विधानसभा में अब पेपरलेस कार्यवाही, सीएम योगी ने किया ई-विधान का लोकार्पण

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा गैलरी के सौंदर्यीकरण के कामों और ई-विधान का लोकार्पण किया। इसके साथ ही विधानसभा की कार्यवाही के पेपरलेस होने का रास्ता साफ हो गया है। इसे पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार का बड़ा कदम माना जा रहा है।

ई-विधान के जरिए यूपी विधानसभा की कार्यवाही का ऑनलाइन संचालन किया जाएगा। हर विधायक की सीट के सामने मेज पर सिस्टम लगाया गया है। पहले सत्र से ही सदन का बदला हुआ नजारा दिखेगा। ई-विधान के लोकार्पण के दौरान आज विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। बता दें कि पिछले दिनों विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने इस सम्बन्ध में एक सर्वदलीय बैठक भी बुलाई थी। नया सिस्टम लागू होने के बाद यूपी विधानसभा हाईटेक और डिजिटल होगा। इससे न सिर्फ विधानसभा के सभी विभागों को आपस में जोड़ पाएंगे बल्कि के इसके

सोशल मीडिया पर भी काम होगा। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया था कि देश की सभी विधानसभाएं एक ही पोर्टल से जुड़ जाएंगी तो जितने भी एजेंडे, नोटिस, प्रश्न और उनके उत्तर होंगे वे सब उसी पर होंगे।

इसके अलावा बिल भी इस पर ही दिखाया जाएगा। अब तक यदि कोई प्रश्न करता था तो उसे हर प्रश्न को पहले सम्बन्धित विभाग को भेजना होता था और उसके बाद उसका जवाब आता था। ई-विधान सिस्टम लागू होने के बाद यह समस्या खत्म हो जाएगी। यूपी ई-विधान सिस्टम से चलने वाली देश की पहली विधानसभा है।

विधानभवन गैलरी का सुंदरीकरण

ई-विधान के साथ ही सीएम योगी ने विधानभवन की गैलरी में कराए गए सुंदरीकरण के कामों का लोकार्पण भी किया। इसके तहत गैलरी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित मदन मोहन मालवीय, वीरांगना लक्ष्मीबाई, महात्मा गांधी, सरोजिनी नायडू, चंद्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, बाल गंगाधर तिलक, मंगल पाण्डेय और टीपू सुल्तान की तस्वीरें लगाई गई हैं।

मथुरा-शाही ईदगाह केस : जिला अदालत ने मंजूर की श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका, 1 जुलाई को होगी सुनवाई

मथुरा। मथुरा की जिला अदालत ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका को स्वीकार कर लिया है। रिविजन के तौर पर करीब दायर इस याचिका पर पिछले करीब डेढ़ साल से सुनवाई चल रही थी। आज जिला जल की अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया। कोर्ट के इस फैसले पर सभी की निगाहें टिकी थीं। अब सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में मुकदमे का ट्रायल शुरू होगा। एक जुलाई को इस केस पर अगली सुनवाई होगी।

सितम्बर 2020 में सिविल कोर्ट ने इस केस को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि ये राइट इश्यू नहीं है। यानी इस मामले में किसी को वाद करने का अधिकार नहीं है। मामला जिला जज की अदालत में गया। आज जिला जज की अदालत ने वादी पक्ष की रिविजन याचिका को स्वीकार कर लिया और अगली सुनवाई के लिए एक जुलाई की तारीख तय कर दी।

याचिका में की गई है ये मांग

याचिका में 2.37 एकड़ जमीन को मुक्त करने की मांग की गई है। कहा

गया है कि श्रीकृष्ण विराजमान की कुल 13.37 एकड़ जमीन में से करीब 11 एकड़ जमीन पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान स्थापित है। जबकि शाही ईदगाह मस्जिद 2.37 एकड़ जमीन पर बनी है। इस 2.37 एकड़ जमीन को मुक्त कराकर श्रीकृष्ण जन्मस्थान में शामिल करने की मांग याचिका में की गई है। याचिका में दावा किया गया है कि ईदगाह का निर्माण केशवदेव मंदिर की जमीन पर किया गया जो भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है। वादी पक्ष का कहना है कि इस मामले में संस?थान को समझौता करने का अधिकार नहीं है। जमीन ठाकुर विराजमान केशव कटरा मंदिर के नाम से है।

श्रीकृष्ण की सखी के तौर पर किया था केस

इस याचिका को एडवोकेट रंजना अग्निहोत्री ने सितम्बर 2020 में भगवान श्रीकृष्ण की सखी के तौर पर दाखिल किया था।

सिविल कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। इसके बाद जिला जज की अदालत में मामला दाखिल किया गया जिस पर करीब डेढ़ साल से सुनवाई चल रही थी। यह याचिका एडवोकेट रंजना अग्निहोत्री, हरि शंकर जैन, विष्णु जैन सहित छह लोगों की तरफ से दाखिल किया गया था। वाद में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, ट्रस्ट मस्जिद ईदगाह, श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट और श्रीकृष्ण जन्मभूमि सेवा संस्थान को विपक्षी बनाया गया। मामले की सुनवाई करीब डेढ़ साल तक चली। पक्ष-विपक्ष को सुनने के बाद गुरुवार को जिला अदालत ने याचिका को स्वीकार कर लिया।

मुस्लिम पक्ष और ट्रस्ट के बीच 1968 में हुआ था ये समझौता

बता दें कि 1968 में ट्रस्ट और मुस्लिम पक्ष के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत शाही ईदगाह मस्जिद का प्रबंधन मुस्लिमों को सौंप दिया गया था। एडवोकेट रंजना अग्निोत्री, विष्णु जैन आदि की ओर से दाखिल याचिका में इस समझौते को अवैध बताया गया है।

कहा गया है कि ट्रस्ट को समझौता करने का अधिकार नहीं था। याचिका में कोर्ट की निगरानी में जन्मभूमि परिसर की खुदाई की मांग की गई है। दावा किया गया है कि मस्जिद की जगह पर ही वो कारागार था जहां श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। बता दें कि इस बारे में कई अन्य याचिकाएं भी कोर्ट में दायर की गई हैं।

एसएसपी कार्यालय में आत्मदाह करने वाले किसान की मौत

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं जिले के थाना सिविल लाइन क्षेत्र मे दबंगों के उत्पीड़न से त्रस्त होकर एसएसपी आफिस गेट पर आत्मदाह करने वाले किसान की गुरूवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा ओपी सिंह ने बताया कि रसूलपुर बिलहरी गांव निवासी किसान किशनपाल (52) की आज सुबह बरेली के एक निजी मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।

उल्लेखनीय है कि दबंगों द्वारा उसकी फसल में आग लगाने के बाद पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही ना करने से परेशान होकर किशन पाल ने बुधवार दोपहर एसएसपी ऑफिस के गेट पर पेट्रोल छिड़ककर खुद को जला लिया था। गंभीर रूप से झुलसी हालत में किशनपाल को बरेली के श्री राम मूर्ति स्मारक मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था।

जहां आज सुबह लगभग चार बजे उसकी मौत हो गई। डा सिंह ने बताया किशन लाल की फसल जलाने व मारपीट करने वाले आठ नामजद आरोपियों में से सात को पुलिस ने रात में ही गिरफ्तार कर लिया है। एक व्यक्ति अभी फरार है जिसकी तलाश जारी है। मृतक किशन लाल एवं आरोपी पक्ष एक ही परिवार के हैं। पुलिस ने किशन पाल के साथ कोई पक्षपात नहीं किया,23 अप्रैल की रात किशनपाल के फ़सल मे आग लगी थी ।24 अप्रैल की सुबह दोनों पक्षों में कहासुनी हुई और मारपीट भी हुई। उसी दिन किशनपाल परिवार के साथ थाने आया था और मौखिक रूप से पुलिस को घटना की जानकारी दी थी। पुलिस ने आरोपी पक्ष के सात लोगों का शांति भंग मे चालान भी किया था। किशनपाल और उसके परिवार का मेडिकल कराया गया और 25 अप्रैल को किशनपाल ने जब पुलिस को लिखित सूचना दी तो आरोपी पक्ष पर आईपीसी की 147,149,452,323,504,506 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया था ।

एसएसपी ने बताया है कि बरेली रेंज के पुलिस महानिरीक्षक रमित शर्मा ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। जिसका नेतृत्व बरेली के एसपी सिटी करेंगे जो आईपीएस रैंक के अधिकारी हैं। उनका सहयोग बदायूं के एसपी सिटी प्रवीण सिंह चौहान करेंगे ।

एनटीपीसी में दिहाड़ी मजदूर की गिरने से मौत

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के ऊंचाहार इलाके में नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) के कोयला पीसने वाले प्लांट के पास दिहाड़ी मजदूर की ऊंचाई से गिरकर मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ऊंचाहार एनटीपीसी में कई कंपनियां ठेके पर काम करती है उन्ही में से एक कंपनी बीटीएल है। दिहाड़ी मजदूर मोहम्मद शमशाद (31) बीटीएल कम्पनी में मजदूरी करता था। बीती रात करीब एक बजे उसकी मौत एनटीपीसी में कोयला पीसने वाले प्लांट के समीप ऊंचाई से गिरकर हो गयी है। मृतक एनटीपीसी के कोल हैंडलिंग प्लांट के स्टेज फोर क्रशर हाउस में काम कर रहा था कोयले को पीसने के बाद पिसा हुआ कोयला यूनिट तक जाता है। इस बेल्ट की ऊंचाई करीब 14 मीटर है। ऊंचाहार इलाके के बहेरवा गांव निवासी शमसाद इस क्रशर हाउस में रात शिफ्ट की ड्यूटी कर रहा था। एनटीपीसी की प्रवक्ता कोमल शर्मा की माने तो शमशाद ने हेलमेट लगाया हुआ था और जब वह अपनी सेफ्टी बेल्ट को जब बदल रहा था तब उसका सन्तुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया। नीचे एक सीढ़ी नुमा संरचना थी जिस पर उसका हाथ लगा और फिर वह जमीन पर गिर गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ज्ञानवापी प्रकरण पर स्थानीय अदालत करेगी अब 23 मई को सुनवाई

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के वीडियोग्राफी सर्वे मामले में स्थानीय अदालत अब अगले सप्ताह सोमवार, 23 मई को सुनवाई करेगी।

सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के निर्देश के मद्देनजर सुनवाई टालते हुए नयी तारीख, 23 मई तय की है। अदालत में आज की कार्यवाही शुरु होने पर वादी और प्रतिवादी पक्ष की बात सुनने के बाद न्यायालय ने नयी तिथि तय की।

उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को इस मामले में सुनवाई के दौरान स्थानीय अदालत को एक दिन के लिये सुनवाई स्थगित रखने का आदेश दिया है। उच्चतम न्यायालय ने वादी पक्ष के वकील से कहा है कि वह स्थानीय अदालत में अपनी अर्जी पर सुनवाई के लिये फिलहाल जोर नहीं देगा। वादी पक्ष के वकील ने इस पर अपनी सहमति व्यक्त की थी।

इस बीच सिविल जज की अदालत में वीडियोग्राफी सर्वे की रिपोर्ट पेश कर दी गयी है। अदालत द्वारा पहले नियुक्त किये गये एडवोकेट कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा ने मस्जिद परिसर में 06 और 07 मई को हुयी वीडियोग्राफी सर्वे रिपोर्ट पेश की। वहीं, 12 मई को विशेष अधिवक्ता आयुक्त बनाये गये विशाल सिंह ने दूसरे चरण में तीन दिन की वीडयोग्राफी सर्वे रिपोर्ट दाखिल की। विशाल सिंह की ओर से 12 पेज की सर्वे रिपोर्ट के साथ ही वीडियोग्राफी चिप्स, नक्शे और अन्य सामग्री एक सीलबंद बक्शे में अदालत को सौंपी गयी।

विशाल सिंह ने कहा कि यह रिपोर्ट गोपनीय है तथा इसमें प्रतिवादी पक्ष की आपत्तियों को भी दर्ज किया गया है। उन्होंने रिपोर्ट के गोपनीय होने के कारण इसका कोई ब्योरा नहीं दिया। इससे पहले अजय मिश्रा की ओर से 06 और 07 मई को हुए सर्वे की रिपोर्ट बुधवार को अदालत को सौंपी गयी थी।

मिश्रा की रिपोर्ट के कुछ अंश सार्वजनिक होने पर मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति व्यक्त की है। मस्जिद प्रबंधन समिति और उसके वकील ने कहा कि मिश्रा को एडवोकेट कमिश्नर के पद से हटाया जा चुका है इसलिये उनकी रिपोर्ट बेमानी है। इस रिपोर्ट में मस्जिद के बाहरी भाग में मिले धार्मिक चिन्हों का उल्लेख है। इसी भाग में वह स्थल भी है, जिसे हिंदू श्रद्धालु 'श्रृंगार गौरी' मानकर दर्शन पूजन करते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार मस्जिद के इस भाग में धार्मिक चिन्ह और अवशेष दिखायी देते हैं। सोमवार को स्थानीय अदालत ने वादी पक्ष और जिला प्रशासन की ओर से दाखिल किये गये दो आवेदनों पर सुनवाई होगी। हिंदू पक्ष की ओर से वजूखाने के पास की दीवार तोड़ने तथा शिवलिंग या फव्वारा के बारे में जानकारी हासिल करने के लिये तहखाने तक जाने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है। दूसरी ओर जिला प्रशासन ने वजूखाना सील होने के कारण पानी की उपलब्धता की ओर न्यायालय का ध्यान आकर्षिक कराया है। प्रशासन के अनुसार पानी न मिलने के कारण वजू करने में परेशानी और मछलियों के जीवन पर संकट का मुद्दा भी उठाया।

कानपुर में दम्पति की धारदार हथियार से हत्या

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर के बजरिया क्षेत्र में एक दंपत्ति की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि रामबाग मोहल्ले में रमेश तिवारी के मकान में शिवम नामक युवक पत्नी जूली के साथ किराये पर रहता था। दोनों की शादी एक साल पूर्व हुई थी। शिवम मटर पापड़ी व चाय का ठेला इलाके में लगाता था। गुरूवार सुबह शिवम के कमरे का दरवाजा देर तक न खुलने पर पड़ोसियों ने अंदर देखा तो दंपत्ति के रक्तरंजित शव जमीन पर पड़े हुए थे। डबल मर्डर की सूचना मिलते ही बजरिया थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

हत्याकांड की सूचना पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा, ज्वाइंट कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी, डीसीपी पश्चिम बीबीजीटीएस मूर्ति, एडीसीपी ब्रजेश श्रीवास्तव समेत फॉरेंसिक टीम पहुंची। आलाधिकारियों ने मौके की गहनता से जांच पड़ताल करते हुए साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया जांच में चाकू से गोदकर दम्पति की हत्या की गई है।

पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने बताया कि किराये के मकान में रहने वाले दम्पति के शव मिले हैं। दोनों की हत्या चाकू से गोदकर किए जाने की लग रही है। पूछताछ में पता चला है कि दम्पति रात में आईपीएल मैच देखकर सोया था। जिस मकान में यह घटना हुई है वहां छह परिवार रहते हैं। अंदर आने जाने का एक ही रास्ता है। इसलिए किसी जानकार द्वारा ही हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। रंजिश के बिंदु के साथ अन्य कारणों का पता लगाते हुए पुलिस की टीमें जांच कर रही हैं। शवों को पोस्टमार्टम भेजते हुए हत्याकांड का जल्द खुलासा किया जाएगा।

कानपुर में आईपीएल मैच देखने के दौरान पति-पत्नी का कत्ल, घटना के बाद हत्यारे तसले में हाथ धोकर चले गए

कानपुर। राम बाग इलाके में दिल दहला देने वाली वारदात हुई। आईपीएल मैच देखने के दौरान पति-पत्नी की निर्मम हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह जब मृतक का पिता नीचे उतरे और शव देख पर चीख पड़े। मकान मालिक की सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीना, ज्वाइंट सीपी आनंद प्रकाश तिवारी, डीसीपी वेस्ट बीबीजीटीएस मूर्ति व फोरेंसिक टीम पहुंची। जांच पड़ताल जारी है। पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीना ने कहा कि घटना बहुत गंभीर है। परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी घटना के खुलासे के लिए तीन टीम लगाई गई हैं। जल्द मामले में खुलासा होगा। राम बाग निवासी शिवम तिवारी (27) और पत्नी रूबी (25) बुधवार रात टीवी पर आईपीएल मैच देख रहे थे।

सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का विवादित बयान

ज्ञानवापी को सील किया तो कई जाने कुर्बान जाएंगी

नई दिल्ली। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद का मुद्दा इस कदर छाया हुआ है, कि अब इस पर राजनीति और भड़काऊ बयानबाजी की भी कमी नहीं हो रही है। ज्ञानवापी मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बाद अब उनकी पार्टी के एक और नेता का इस मामले में बयान आया है। अक्सर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में रहने वाले संभल से सपा नेता शफीकुर्रहमान बर्क का ज्ञानवापी मामले पर भड़काऊ बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद पर कब्जा हम बर्दास्त नहीं करेंगे। अगर ज्ञानवापी को सील किया जाएगा तो कई जाने कुर्बान जाएंगी।

शफीकुर्रहमान बर्क ने पत्रकार के ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने वाले सवाल का जवाब देते हुए कहा कि ये बिल्कुल झूठ है, बिल्कुल गलत है। ये सरकार की पॉलिसी मुल्क के खिलाफ है। मुस्लमानों के खिलाफ नफरत फैलाई जा रही है। इसके बाद मस्जिद को सील करने की बात पर सपा सांसद ने कहा कि कोई मस्जिद की सीलिंग नहीं कर सकता है। हमारी जान कुर्बान हो जाएंगी इस पर।

क्या है ज्ञानवापी मस्जिद विवाद

यह मामला ज्ञानवापी मस्जिद में हिंदू देवी-देवताओं के साक्ष्य होने को लेकर है, जिसमें अब कई नेता भी आमने-सामने आने लगे हैं। इस पूरे मसले को लेकर हिंदू पक्ष का मानना है कि मस्जिद में शिवलिंग मौजूद है, तो ऐसे में मस्जिद को सील कर उसको हिंदुओं को सौंपकर मंदिर निर्माण की अनुमति देनी चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ मुस्लिम पक्ष इन सब बातों से इनकार कर रहा है। उनका मानना है कि वहां पर हिंदू साक्ष्य मौजूद नहीं है।

इटावा में कार से कुचलकर युवक की हत्या करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

इटावा। जमीन पर कब्जे को लेकर बुधवार को युवक की कार से कुचलकर की गई हत्या के मामले में गुरुवार को पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। दो आरोपी अभी भी पकड़ से दूर हैं। घटना में चौकी इंचार्ज को शिथिल कार्रवाई का दोषी मानते हुए कप्तान ने उसे सस्पेंड कर दिया है। उधर, जिस जमीन पर दबंगों ने कब्जा किया था वहां बुलडोजर चलाकर कब्जा मुक्त कराकर मृतक के परिवार को सौंप दी गई है।

शहर के पंजाबी कालोनी में रहने वाले सुनील दोहरे(45) की जमीन कब्जा करने को लेकर कार से कुचलकर बुधवार की सुबह हत्या कर दी गयी थी। घटना कहीं तब अंजाम दिया गया था जब मुख्य आरोपी के बुलावे पर वह बाइक से निकले थे। पहुंचते ही आरोपियों ने घेर लिया था और भागते समय कार से कुचलकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मुख्य आरोपी कछपुरा के रहने वाले संजेश उर्फ मंशाराम कुशवाहा, उसके तीन बेटों विशाल, विकास, शिवम, बेटी शिवानी व पत्नी उर्मिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने संजेश, उसके बेटे विशाल, बेटी शिवानी व पत्नी उर्मिला को गिरफ्तार कर लिया है।

जबकि उसके दो बेटों विकास व शिवम की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं। एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने बताया कि चार आरोपी गिरफ्तार कर लिये गये हैं, दो आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आरोपी के कब्जे वाली जमीन पर चलाया बुलडोजर

जिस जमीन पर कब्जे को लेकर युवक की कार से कुचलकर हत्या की गयी थी उस 16 बीघा जमीन को कब्जामुक्त कराकर मृतक के परिवार को सौंप दिया गया है। गुरुवार की सुबह पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने बुलडोजर से जमीन पर बनायी गयी बाउंड्रीवाल, दीवारें आदि गिराकर कब्जा मुक्त कराया गया है। बता दें कि इस जमीन को आरोपी संजेश उर्फ मंशाराम ने कब्जा लिया था और बची हुयी जमीन को भी कब्जा करना चाह रहा था, इसी को लेकर विवाद डाल रखा था।

पुलिस की लापरवाही आयी सामने, चौकी इंचार्ज सस्पेंड

जमीन कब्जा करने को लेकर मुख्य आरोपी संजेश कुशवाहा उर्फ मंशाराम कई मर्तबा सुनील दोहरे को धमकी दे चुका था और उसने काफी जमीन कब्जा भी कर ली थी। कब्जा हटवाने और धमकी देने की शिकायत सुनील की ओर से एसएसपी समेत अन्य अधिकारियों से भी की गयी थी। एसएसपी ने इकदिल थाना पुलिस को कब्जा खाली कराने के निर्देश भी दिये थे लेकिन उसके बाद भी पुलिस ने कोई ध्यान नहीं दिया।

पीड़ित परिवार ने पुलिस पर मुख्य आरोपी से सांठ गांठ के भी आरोप लगाये। परिवार के लोगों का कहना है कि पुलिस तब सक्रिय हो जाती तो सुनील की हत्या न होती।

शार्ट न्यूज

श्रीराम सिटी ने सावधि जमाओं पर ब्याज दरें बढ़ाईं

मुंबई। निजी क्षेत्र की गैर-बैकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस ने अलग-अलग अवधि की सावधि जमाओं (एफडी) पर ब्याज में 0.15-0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि 36-60 माह की एफडी पर ब्याज की नयी दरें लागू होंगी। 12-24 महीने की जमाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनी ने 36 महीने की जमा पर ब्याज में 0.25 प्रतिशत, 48 महीने पर 0.20 प्रतिशत और 60 महीने वाली एफडी पर ब्याज दर 0.15 प्रतिशत ऊंची कर दी है। वरिष्ट नागरिकों को जमा राशि पर वार्षिक 0.5 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज मिलेगा। अभी इस श्रेणी में अतिरिक्त ब्याज 0.30 प्रतिशत है। कंपनी की एफडी पर नई ब्याज दरें 20 मई से लागू होंगी।

देश में महंगाई ने दिया एक और झटका, रसोई गैस के फिर बढ़े दाम

नयी दिल्ली। देश में पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को एक और झटका देते हुए गुरुवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 3.50 रुपये प्रति सिलेंडर और कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 8 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। बढ़ी हुई कीमतों के बाद अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें देश के सभी बड़े शहरों में 1,000 रुपये से अधिक हो जाएंगी। कीमतों में हुए इस संशोधन को आज से ही लागू कर दिया जाएगा। 14.2 किलोग्राम के बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत अब नयी दिल्ली में 1003.00 रुपये, कोलकाता में 1029.00 रुपये, मुंबई में 1002.50 रुपये और चेन्नई में 1018.50 रुपये होगी। यह इस महीने दूसरी दफा है जब घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़े हैं। इससे पहले 7 मई को 50 रुपये बढ़ाए गए थे। घरेलू सिलेंडर के साथ कमर्शियल सिलेंडरों के दामों में भी पहले से इजाफा हुआ है। इनमें आठ रुपये तक की वृद्धि की गई है। अब दिल्ली में एक 19 किलो के सिलेंडर की कीमत 2,354 रुपये, कोलकाता में 2,454 रुपये, मुंबई में 2,306 रुपये और चेन्नई में 2,507 रुपये होगी। यह कमर्शियल सिलेंडरों में किया गया तीसरा संशोधन है। इससे पहले, 7 मई को सिलेंडर की कीमतों में 10 रुपये तक की गिरावट की गई थी। हालांकि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पोर्ट ब्लेयर हवाईअड्डे की नयी टर्मिनल इमारत अक्टूबर तक होगी तैयार

नयी दिल्ली,19 मई (वार्ता) नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा है कि अंडमान-निकोबार में पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नयी टर्मिनल इमारत इस वर्ष अक्टूबर तक तैयार हो जाएगी।

मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वहां नयी टर्मिनल इमारत के निर्माण के 707.73 करोड़ रुपये की परियोजना का 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है बाकि काम इस वर्ष अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा। इससे अंडमान निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

नये टर्मिनल भवन का निर्मित क्षेत्र 40,837 वर्ग मीटर होगा और इसमें भीड़-भाड के समय में एक बार में 1200 और साल भर में 40 लाख यात्रियों को संभालने की सुविधा होगी। नया यात्री टर्मिनल भवन तीन मंजिला बनाया जा रहा है।

कच्चे जूट पर मूल्य सीमा हटाई गयी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने कच्चे जूट पर मूल्य सीमा का वह आदेश वापस ले लिया है जिसके तहत इसकी खरीद के लिए अधिकतम 6500 रुपये प्रति क्विंटल की दर रखी गयी थी। कीमत संबंधी सीमा हटाने से जूट के किसानों, मिलों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को मदद मिलेगी। वस्त्र मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा है, कच्चे जूट की मौजूदा कीमत लगभग 6500/- रुपये को देखते हुए भारत सरकार ने दिनांक 20 मई 2022 से कीमत संबंधी सीमा हटाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पिछला आदेश 30 सितंबर,2021 से लागू था। इसके तहत कच्चे जूट के टीडी5 ग्रेड के लिए जूट मिलों और अन्य अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा कच्चे जूट की खरीद पर 6500/- रुपये प्रति क्विंटल की मूल्य सीमा तय की गयी थी। मंत्रालय ने कहा कि कीमत संबंधी सीमा हटाने से जूट के किसानों, मिलों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को मदद मिलेगी। लगभग 40 लाख जूट किसानों के अलावा सात लाख से अधिक लोग जूट व्यापार पर निर्भर हैं। कीमतों में गिरावट के रुझान से जूट के सामानों के निर्यात, जोकि मूल्य की दृष्टि से इस उद्योग के कुल कारोबार का लगभग 30 प्रतिशत है, उन्हें भी फायदा होगा।

रसायन कंपनी एथर का आईपीओ 24 मई को खुलेगा

मुंबई। रसायन कंपनी एथर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का सार्वजनिक शेयर निर्गम (आईपीओ) 24-26 मई तक खुलेगा। इस शेयर के आवेदन मूल्य का दायरा 610-642 रुपये रखा गया है। इस आईपीओ के जरिए एथर का 808.04 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने का लक्ष्य है। आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 23 शेयर अथवा उसके गुणकों में आवेदन कर सकते हैं। इस निर्गम में कंपनी 627 करोड़ रुपये के नए इक्विटि शेयर प्राथमिक बाजार में जारी करेगी तथा वर्तमान शेयरधारक अपने पास के 28.2 लाख शेयर बाजार में बिक्री की पेशकर(ओएफएस) के जरिए बेचकर 181.04 करोड़ रुपये जुटाना चाहते हैं। इस तरह कंपनी इस आईपीओ में 808 करोड़ रुपये से कुछ अधिक की राशि जुटा सकती है। कंपनी ने पहले नए शेयरों से 757 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था लेकिन इसे घटा दिया गया। कंपनी ने कहा है कि आईपीओ से प्राप्त धन को गुजरात में सूरत में एक नया कारखान लगाने के साथ-साथ कर्जों के भुगतान और रोजमर्रा के काम की जरुरतों पर खर्च किया जाएगा।

गोदरेज कंज्यूमर का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ गिरा

मुंबई। रोजमर्रा के उत्पाद बनाने वाली गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने गुरुवार को बताया कि कंपनी का वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ थोड़ी गिरावट के साथ 363.24 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 365.84 करोड़ रुपये था। 31 मार्च 2022 को समाप्त हुयी चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय 2939.58 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में 2747.31 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने प्रबंध निदेशक और सीईओ सुधीर सीतापति ने कहा,वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में हमारा प्रदर्शन कमजोर रहा। कुल बिक्री में सात प्रतिशत की वृद्धि हुई और हमारी पूरे साल की बिक्री दोहरे अंकों में बढ़ी। श्रेणीयों की ओर से देखें तो हमने निजी देखभाल में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। हमारा घरेलू देखभाल उत्पाद का प्रदर्शन कमजोर रहा और इसमें सात प्रतिशत की गिरावट देखी गयी।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की साइरस मिस्त्री की पुनर्विचार याचिका

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने साइरस मिस्त्री को टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष पद से हटाने के टाटा समूह की कार्यवाही को सही ठहराने वाले अपने पिछले साल के एक फैसले पर पुनर्विचार करने से गुरुवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रह्मण्यन की पीठ ने साइरस मिस्त्री की याचिका खारिज कर दी। याचिका शापूरजी पल्लोनजी समूह दायर की गई थी, जिसमें शीर्ष अदालत से 26 मार्च 2021 के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार लगाई गई थी। उच्चतम न्यायालय ने 2021 में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के 18 दिसंबर 2019 के उस फैसले को पलट दिया था, जिसने टाटा संस लिमिटेड के अध्यक्ष के रूप में साइरस मिस्त्री को बहाल करने का आदेश दिया था। हालांकि, शीर्ष अदालत ने श्री मिस्त्री पर की गई कुछ खास टिप्पणियों को हटाने की उनकी गुहार संबंधी एक आवेदन को स्वीकार कर लिया। साइरस मिस्त्री ने उनका टिप्पणियों का विरोध किया था। वर्ष 2016 से चल रहे इस विवाद में टाटा समूह को एक बार फिर शीर्ष अदालत के फैसले ने राहत दी है।

मारुति उद्योग का हरियाणा में सबसे बड़ा इन्वेस्टमेंट, 20 हजार करोड़ रु से ज्यादा का करेगी निवेश

खरखौदा में मारुति को 900 एकड़ भूमि का हस्तांतरण

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

- हरियाणा में विकास की नई पटकथा लिखेगा आज हुआ ऐतिहासिक समझौता : मुख्यमंत्री
- हरियाणा वर्ल्ड वाइड इन्वेस्टर के लिए बना फ्रेंडली डेस्टिनेशन : सीएम मनोहर लाल

गुरूग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा कभी कृषि का केंद्र होता था लेकिन कृषि के साथ-साथ राज्य उद्योग में आगे बढ़ा और आज हमारा हरियाणा वर्ल्ड वाइड इन्वेस्टर का फ्रेंडली डेस्टिनेशन बन गया है। मारुति सुजुकी के 40 साल के सफर को पूरा करने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान और भारत के संबंध 70 साल पुराने हैं, वे कामना करते हैं कि ये संबंध प्रगाढ़ हों और हमेशा आगे बढ़ते रहें। मुख्यमंत्री सोनीपत के खरखौदा में स्थित इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) में स्थापित किए जाने वाले मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट के लिए भूमि के आवंटन को लेकर आयोजित समझौता हस्ताक्षर कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह समझौता हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचएसआईआईडीसी) और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल)/सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुआ। खरखौदा में क्रमश: 800 एकड़ और 100 एकड़ भूमि पर मारुति कार तथा सुजुकि मोटर साइकिल के नए प्लांट स्थापित किए जाने हैं।

इस दौरान पहला प्लांट आवंटित करवाने वाले सुपर एल पी जी के निदेशक ईशान अग्रवाल को हरियाणा के उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला जी ने सम्मानित किया। सुपर एल पी जी अपना नया प्लांट आईएमटी खरखौदा में सवा सवा ऐकड़ जमीन में बनकर तैयार होगा और वहीं से नए नए प्रोडक्ट लाने की तैयारी है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम एतिहासिक है, वे यह नहीं कहेंगे कि आज एक नया इतिहास बन गया है बल्कि यह कहेंगे कि 40 साल बाद इतिहास ने खुद को दोहराया है। उन्होंने कहा कि 40 साल पहले भी एक एमओयू हुआ था जिसने हरियाणा के विकास की तस्वीर और तकदीर को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई और आज एक नया समझौता हुआ जिसमें 900 एकड़ जमीन हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम के माध्यम से अधिकृत किया गया और इस जमीन को आज मारुति सुजुकी को हेंडओवर किया गया। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में 2400 करोड़ रुपए एचएसआईआईडीसी के माध्यम से हरियाणा को दिया गया है। हरियाणा के इतिहास में पहली बार इतना बड़ा ट्रांजेक्शन हुआ है। यह समझौता हरियाणा में विकास की नई पटकथा लिखेगा।

उन्होंने कहा कि प्लांट के स्थापित होने से 13 हजार लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। प्लांट के लिए 2400 करोड़ की जमीन ली गई है तथा 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इन्वेस्टमेंट किया जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मारुति के कारण गुरुग्राम विकसित हुआ। इनके कारण से गुरुग्राम के अंदर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का इजाफा हुआ, कई कंपनियां यहां आई। अन्य इंडस्ट्री ने भी गुरुग्राम की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री आरसी भार्गव से निवेदन किया कि मारुति का कॉरपोरेट ऑफिस अभी तक दिल्ली में है, इसे भी हरियाणा शिफ्ट किया जाए। श्री मनोहर लाल ने कहा कि हमने इंडस्ट्री को सभी प्रकार की सुविधाएं दी हैं। हमने सर्विसेज के लिए भी सुविधाएं देनी शुरू की हैं। चाहे एजुकेशन, हेल्थ अथवा आईटी से जुड़ी सर्विसेज हो, सभी को बुनियादी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम उद्योग के नाते लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

जो भी सहायता चाहिए, पॉलिसी में जो भी बदलाव चाहिए, हम सब करने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी डिमांड और सुझाव के हिसाब से हम आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरखौदा नया विकसित होता हुआ क्षेत्र है। यह एयरपोर्ट से 65 किलोमीटर दूर, रेलवे स्टेशन और एनएच से 18 किमी दूर है तथा केएमपी से भी इसका लिंक है। यहां मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के निवेश करने से औद्योगिक माहौल को सकारात्मक बल मिला है। आने वाले दिनों में यह क्षेत्र औद्योगिक हब बनकर उभरेगा और इससे क्षेत्र के विकास का पहिया तेजी से घूमेगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हिसार के एयरपोर्ट को भी विकसित किया जा रहा है। हिसार पुराना औद्योगिक नगर है। परंपरागत इंडस्ट्री के साथ-साथ नई इंडस्ट्री बनाई जा रही हैं जैसे कि हिसार में बल्क ड्रग पार्क, डिफेंस से जुड़े प्रोडक्शन इत्यादि को बढ़ावा दिया जा रहा है।

'हरियाणा में और विकसित होगी मारूतिः दुष्यंत चौटाला'

हरियाणा के उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा और मारूति का रिश्ता बहुत पुराना है। 40 साल पहले उन्होंने हरियाणा से निर्माण शुरू किया था। 1977 में प्लांट की नींव रखी गई, 45 साल से 5 दशक पुराना रिश्ता है।

भविष्य में मारूति हरियाणा में और विकसित होगी। जब गुरुग्राम में पहली बार मारूति ने प्लॉट लगाया तो यह ग्रामीण क्षेत्र था लेकिन इसके बाद तरक्की हुई और आज गुरुग्राम इंडस्ट्रियल हब है। इसी तरह मानेसर में भी मारूति के आने के बाद औद्योगिक विकास हुआ, भविष्य में खरखौदा का भी ऐसे ही विकास होगा।

श्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा में उद्योगों के लिए बेहतर माहौल है।

आज प्रदेश का 57 प्रतिशत क्षेत्र एनसीआर से जुड़ा हुआ है। इंटरनेशनल एयरपोर्ट, रोड, रेल आदि यातायात के साधनों की बेहतर कनेक्टिविटी है। केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से लगातार नए उद्योग हरियाणा में आ रहे हैं। आज स्थिति ये है कि जापान से कोई गुरुग्राम, मानेसर, खरखौदा आता है तो उसे बेहतर कनेक्टिविटी मिलती है। हैलीकॉप्टर से लेकर कार तक में कुछ ही समय में दूरी तय की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लगातार बड़े उद्योग निवेश कर रहे हैं। पिछले दिनों आदित्य बिरला ग्रुप ने पानीपत में पेंट प्लांट लगाने का एमओयू साइन किया है। आईएमटी सोहना में बैटरी बनाने का प्लांट लगाया जाएगा। फ्लिपकार्ट मानेसर में सबसे बड़ा वेयरहाउस लगाने जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशक हरियाणा में आएं, निवेश करें और आगे बढ़ें।

'मारूति हरियाणा में पैदा हुई और आगे बढ़ी:आरसी भार्गव'

मारूति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन श्री आरसी भार्गव ने कहा कि मारूति हरियाणा में पैदा हुई और आगे बढ़ रही है। इस कंपनी ने लाखों लोगों को रोजगार दिया है और कार मैन्यूफैक्चरिंग में सफलता हासिल की है। मारूति ने भारत और जापान के रिश्तों को मजबूत किया है।

मारूति सुजुकी ने साबित किया है कि सरकार के साथ तालमेल से काम करने से कंपनी को लाभ होता है। हम लगातार गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने खरखौदा प्लांट के लिए मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल व उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला का आभार जताया।

मारूति सुजुकी के कार्यकारी वाइस-चेयरमैन केनिची आयुकावा ने कहा कि मारूति और हरियाणा का मजबूत रिश्ता है। 40 साल से हरियाणा में कार्यरत हैं और हरियाणा के युवा मारूति कि ड्राइविंग फोर्स है। हमारी कोशिश है कि आने वाले दिनों में हरियाणा कार मैन्यूफैक्चरिंग में पहले नंबर पर पहुंचे।

इस दौरान आईएमटी खरखौदा में पहला प्लॉट आवंटित करवाने वाले ईशान अग्रवाल को सम्मानित किया गया। इसके साथ-साथ मारूति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री हिसाशी ताकेयूची और सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री यशुहीदे कामो के साथ एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री विकास गुप्ता ने प्लांट के भूमि आवंटन का एमओयू आदान-प्रदान किया। इसके अलावा सुजुकी इंडिया मोटरसाइकिल व मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने खरखौदा में लगने वाले प्लांट की भूमि आवंटन की आनलाइन ट्रांजैक्शन का कन्फर्मेशन चैक भी सौंपा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के अलावा उपमुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन श्री आरसी भार्गव, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन श्री केनिची आयुकावा, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री हिसाशी टैक्योची मौजूद रहे। इसके अलावा सांसद सुनीता दुग्गल, गुरूग्राम के विधायक सुधीर सिंगला, पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री डी एस ढेसी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री वी उमाशंकर, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव श्री विजयेंद्र कुमार, हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक विकास गुप्ता सहित हरियाणा सरकार और सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कमजोर वैश्विक रुख से शेयर बाजार में हाहाकार

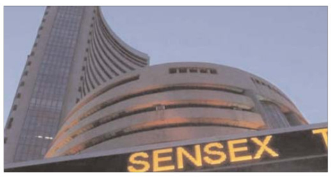

मुंबई। वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में हाहाकार मच गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट पर रहे।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स ने 1416.30 अंक का गोता लगाकर 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52792.23 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 430.90 अंक लुढ़ककर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15809.40 अंक पर रहा। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली हावी रही। इस दौरान मिडकैप 2.66 प्रतिशत की गिरावट लेकर 22,069.73 अंक और स्मॉलकैप 2.29 प्रतिशत टूटकर 25,801.04 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3447 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2482 में बिकवाली जबकि 845 में लिवाली हुई वहीं 120 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 47 कंपनियों के शेयर टूटे वहीं तीन में तेजी रही। आसमान छूती महंगाई से वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ रही चिंता ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार के प्रति निवेश धारणा कमजोर रही। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 2.57, जर्मनी का डैक्स 2.10, जापान का निक्केई 1.89 और हांगकांग का हैंगसेंग 2.54 प्रतिशत लुढ़क गया। हालांकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.36 प्रतिशत की मामूली बढ़त रही। इसके दबाव में बीएसई के सभी 19 समूहों में बिकवाली हुई। इसके अलावा शोध सलाह देने वाली कंपनी जेपी मॉर्गन के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) एवं टेक उद्योग की रेटिंग घटाने का असर भी बाजार दिखा। इस दौरान आईटी समूह ने सबसे अधिक 5.25 और टेक समूह ने 5.11 प्रतिशत का नुकसान उठाया। साथ ही बेसिक मैटैरियल्स 2.81, सीडीजीएस 2.38, ऊर्जा 2.45, वित्त 2.39, हेल्थकेयर 2.18, इंडस्ट्रियल्स 2.16, दूरसंचार 3.46, ऑटो 2.48, बैंकिंग 2.48, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.77, धातु 4.23, तेल एवं गैस 2.41 और रियल्टी समूह के शेयर 2.48 प्रतिशत टूटे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1138 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 53,070.30 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद यह 53,356.04 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इसके बाद बिकवाली शुरू होने से यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 52,669.51 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 54,208.53 अंक के मुकाबले 2.61 प्रतिशत टूटकर 52,792.23 अंक पर रहा।

निफ्टी भी 323 अंक लुढ़ककर 15,917.40 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 15,984.75 अंक के उच्चतम जबकि 15,775.20 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,240.30 अंक की तुलना में 2.65 प्रतिशत गिरकर 15,809.40 अंक पर आ गया। इस दौरान सेंसेक्स की 27 कंपनियों में बिकवाली जबकि शेष तीन में लिवाली हुई। विप्रो ने सबसे अधिक 6.21 प्रतिशत का नुकसान उठाया वहीं आईटीसी के शेयरों में सर्वाधिक 3.43 प्रतिशत की तेजी रही।

गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एचसीएल टेक 6.01, इंफोसिस 5.46, टीसीएस 5.17, टेक महिंद्रा 5.07, टाटा स्टील 4.86, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.30, भारती एयरटेल 2.52, आईसीआईसीआई बैंक 2.37, रिलायंस 2.35, एसबीआई 2.24, एलटी 1.60 और एनटीपीसी 0.07 प्रतिशत शामिल है।

चीनी का निर्यात इस बार 90 लाख टन तक पहुंचने की संभावना

नयी दिल्ली। चीनी विपणन सत्र 2021-22 में भारत से चीनी का निर्यात 90 लाख टन तक पहुंचने की पूरी संभावना है। यह पिछले कुछ वर्षों के निर्यात की तुलना में अच्छी वृद्धि दर्शाता है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के मुताबिक इस समय इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और अफ्रीकी देशों में भारतीय चीनी की अच्छी मांग है।

मंत्रालय के अनुसार,चीनी वर्ष अक्टूबर-सितंबर (2020-21) में भारत से 70 लाख टन चीनी का निर्यात हुआ था। वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में निर्यात क्रमशः 6.2 लाख टन, 38 लाख टन और 59.60 लाख टन था। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतों में तेजी और मजबूती के बीच 2021-22 सत्र के लिए भारत से 90 लाख टन चीनी के निर्यात के अनुबंध हो चुके हैं। मंत्रालय ने कहा है कि 18 मई 2022 तक 75 लाख टन चीनी का निर्यात हो चुका है।

देश में मिलों के पास चीनी के जरूरत से ज्यादा पड़े माल के निस्तारण के लिए सरकार चीनी का निर्यात बढ़ाने के लिए उन्हें वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है ताकि उनके पास नकदी का प्रभाव बढ़े और वे गन्ना किसानों का बकाया निपटा सकें।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक का चौथी तिमाही लाभ 115 प्रतिशत उछला

नयी दिल्ली। सरकारी क्षेत्र के पंजाब एण्ड सिंध बैंक ने गुरुवार को बताया कि उसने 31 मार्च 2022 को समाप्त हुयी तिमाही में 115 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 346.10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। बैंक का इससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 160.80 करोड़ रुपये था।

जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में बैंक का कुल राजस्व 2,007.90 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1,951.13 करोड़ रुपये था। अलोच्य तिमाही में बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

बैंक का सकल एनपीए वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में 12.17 प्रतिशत रहा जो 31 दिसंबर 2021 को समाप्त हुयी तिमाही में 14.44 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में यह 13.76 प्रतिशत था।

राशि के हिसाब से वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में बैंक का सकल अवरुद्ध ऋण (एनपीए) घटकर 8564.82 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछली तिमाही में 9635.75 करोड़ था। वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में बैंक का सकल एनपीए 9,334 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक का शुद्ध लाभ 1039.05 करोड़ रुपये रहा जबकि बैंक को वित्त वर्ष 2020-21 में 2,732.90 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

बैंक की पूरे वित्त वर्ष में कुल आय 8,055 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2020-21 में 7,877.53 करोड़ रुपये थी।

पेट्रोल-डीजल के दामों में 43वें दिन भी कोई बदलाव नहीं

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर	पेट्रोल	डीजल
दिल्ली	105.41	96.67
कोलकाता	115.12	99.83
मुंबई	120.51	104.77
चेन्नई	110.85	100.94

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों के गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं करने से लगातार 43वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहें।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर है।

यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 1.00 प्रतिशत बढ़कर 110.20 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 110.05 डॉलर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। जिससे अबतक 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की गयी। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

कोविशील्ड टेक्नोलॉजीस के बायोकॉन बायोलॉजिक्स में विलय को मंजूरी

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने बायोकॉन बायोलॉजीक्स की लगभग 15 प्रतिशत शेयरधारिता इक्विटी के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंस द्वारा अधिग्रहण के संदर्भ में कोविशील्ड टेक्नोलॉजीज के बायोकॉन बायोलॉजिक्स में विलय को मंजूरी दे दी है।

कोविशील्ड टेक्नोलॉजीस प्राईवेट लिमिटेड (सीटीपीएल) के विलय का प्रस्ताव है। यह कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंस के स्वामित्व की सहायक कंपनी है। इसका विलय बायोकॉन बायोलॉजीक्स लिमिटेड में होगा। इसके संदर्भ में विलय योजना के तहत अधिग्रहणकर्ता कंपनी में लगभग 15 प्रतिशत इक्विटी शेयरधारिता प्राप्त करेगा।

अधिग्रहणकर्ता, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड की सहायक कंपनी है और उसे कोविड-19 की वैक्सीन और उपचार के लिये विकिसत किया गया था। कंपनी की योजना है कि अन्य संक्रामक रोगों की भी वैक्सीनें विकसित की जायें। इस समय, अधिग्रहणकर्ता अपनी निर्माण इकाई लगाने की प्रक्रिया में है।

शार्ट न्यूज

ईंधन विशेषाधिकार को लेकर जयसूर्या ने सरकार को फटकारा

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सनत जयसूर्या ने गुरुवार को देश में ईंधन की कमी के बीच सांसदों को ईंधन विशेषाधिकार दिये जाने पर सरकार को फटकार लगाई। जयसूर्या ने ट्वीट किया,मैं यह सुनकर विचलित हूं कि सांसदों को ईंधन विशेषाधिकार दिये जा रहे हैं। उन्होंने (सरकार) कहा है कि अब ऐसा नहीं किया जा रहा, लेकिन हमें इतिहास से सीख लेनी चाहिये। फ्रांसीसी क्रांति में मारी आंत्वानेत के शब्दों को याद करो, जब उन्होंने कहा था कि ब्रेड नहीं है तो लोगों को केक खाने दो। उन्होंने कहा, सांसद जनता के सेवक होते हैं, न कि उसके उलट। लोग अद्वितीय संकट से गुज़र रहे हैं। आपके (सांसदों के) पास तीन विकल्प हैं, इस समस्या को जल्दी हल करें, हमारे साथ इसको सहें या घर जाएं। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका 1948 के बाद से अपने सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुज़र रहा है।

श्रीलंका के ख़िलाफ़ खेली जा रही टेस्ट सीरीज़ से बाहर हुए शरीफुल

ढाका। बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ शरीफुल इस्लाम को चटगांव में श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट मैच के चौथे दिन दाहिने हाथ में चोट लगी है। इस चोट की वजह से शरीफुल श्रीलंका के ख़िलाफ़ खेली जा रही टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। एक्स-रे में फ्रैक्चर का पता चला है और अनुमान लगाया गया है कि शरीफुल चार से पांच सप्ताह के लिए क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे, जिससे उन्हें 16 जून से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज़ सीरीज़ के पहले टेस्ट से भी बाहर रहना पड़ सकता है। चयनकर्ताओं ने 23 मई से ढाका में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए एक अपरिवर्तित टीम की घोषणा करते हुए शरीफुल की जगह किसी और खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है। फ़िजियो बायजिदुल इस्लाम ने गुरुवार को बीसीबी की एक विज्ञप्ति में कहा, बल्लेबाज़ी के दौरान शरीफुल इस्लाम के दाहिने हाथ में चोट लगी थी। चौथे दिन के खेल के बाद एक एक्स-रे किया गया, जिसमें फ्रैक्चर का पता चला है। इस तरह की चोटों को ठीक होने में लगभग तीन सप्ताह लगते हैं और इसके बाद कुछ हफ़्ते का पुनर्वासन होता है। वह चार से पांच सप्ताह तक खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। कसुन रजिता की एक शॉर्ट पिच गेंद को खेलते हुए शरीफुल को यह चोट लगी। इसके बाद बायजिदुल एक दो बार उनकी मदद के लिए आए मैदान पर आए लेकिन शरीफुल ने बल्लेबाज़ी जारी रखी। चार ओवर बाद वह रजिता की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने गए और दर्द से कराहते हुए नीचे गिर गए। अंततः उन्हें रिटायरहर्ट होना पड़ा। बांग्लादेश की पारी यहीं पर 465 रनों के कुल योग पर ख़त्म हो गई।

एक और बार चोटिल हुए जोफ़्रा आर्चर

लंदन। तेज गेंदबाज जोफ़्रा आर्चर को पीठ के निचले हिस्से में एक और चोट लगी है। कहा जा रहा है कि उन्हे स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ है। इस कारणवश वह गर्मियों (इंग्लैंड के मौसम के अनुसार) में होने वाली किसी भी सीरीज़ का हिस्सा नहीं बनेंगे। इससे पहले भी आर्चर चोट के कारण कई महीनों तक क्रिकेट से दूर थे। आर्चर ने आख़िरी बार मार्च 2021 में इंग्लैंड के लिए खेले थे। उन्होंने अगले सप्ताह टी 20 ब्लास्ट में ससेक्स के लिए वापसी की बात की थी। वह लंबी अवधि से कोहनी की चोट से जूझ रहे थे। उन्होंने अपने शुरुआती मैच से पहले कुछ दूसरी टीमों के साथ वार्म-अप मैच खेलने की योजना बनाई थी। ईसीबी ने गुरुवार सुबह पुष्टि की कि पीठ की समस्या का पता चलने के बाद बाकी सीज़न के लिए आर्चर को बाहर कर दिया गया है। एक बयान में कहा गया, %%उनकी वापसी के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। आने वाले दिनों में विशेषज्ञ राय के बाद एक प्रबंधन योजना निर्धारित की जाएगी।%% 27 वर्षीय आर्चर की पिछले 14 महीनों में तीन बार सर्जरी हुई है- एक उनके हाथ पर कांच का एक टुकड़ा निकालने के लिए, और दो उनकी कोहनी पर। उन्होंने इस साल की शुरुआत में टी20 और टेस्ट दौरे के दौरान अपने पुनर्वास के हिस्से के रूप में बारबाडोस में इंग्लैंड के साथ प्रशिक्षण लिया और आईपीएल 2022 में हिस्सा नहीं लेने का निर्णय किया। मुंबई इंडियंस के द्वारा उन्हें 8 करोड़ करोड़ रूपए देकर टीम में शामिल किया गया था।

विश्व कप से बैन हुई रूस बास्केटबॉल टीम

मॉस्को। रूस की महिला बास्केटबॉल टीम को 2022 विश्व कप से निलंबित कर दिया गया है, और पुरुष टीम को 2023 विश्व कप के क्वालीफाइंग मैचों में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल फेडरेशन (फीबा) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रूस की महिला बास्केटबॉल टीम ऑस्ट्रेलिया में 22 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच होने वाले 2022 विश्व कप के अंतिम प्रतिभागियों में शामिल थी। फीबा ने एक बयान जारी कर बताया कि रूस की जगह प्यूर्तो रिको को दी जाएगी। दूसरी तरफ़ रूस और बेलारूस पुरुष बास्केटबॉल टीमों के 2023 विश्व कप क्वालिफिकेशन नतीजों को रद्द कर दिया गया है, जिसके बाद दोनों टीमें टूर्नामेंट के आखिरी भाग में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। फीबा ने रूस और बेलारूस में कोई प्रतियोगिता न कराने का प्रतिबंध भी जारी रखा है। साथ ही, फीबा ने रूसी टीमों को फीबा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022, फीबा 3×3 विश्व कप 2022 और फीबा 3×3 यूरोप कप 2022 में भाग लेने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

तालिका में दूसरे स्थान के लिए उतरेगा राजस्थान

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ ब्रेबॉर्न स्टेडियम में शुक्रवार को होने वाले आईपीएल मुकाबले में जीत हासिल कर टॉप दो टीमों में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी। राजस्थान इस समंय 13 मैचों में आठ जीत और 16 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है और इस मुकाबले में जीत उसे दूसरे स्थान पर पहुंचा देगी क्योंकि वह नेट रन रेट में दूसरे स्थान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स से बेहतर स्थिति में है। दूसरी तरफ चेन्नई 13 मैचों में चार जीत और आठ अंकों के साथ नौवें स्थान पर है और इस मुकाबले में जीत के बावजूद भी वह इसी स्थान पर रहेगा। चेन्नई के सलामी बल्लेबाज़ डेवोन कॉन्वे हाल ही में वानखेड़े स्टेडियम में दो छोटे निजी स्कोर बनाने के बाद ज़ोरदार वापसी कर सकते हैं। उन्होंने चेन्नई के लिए बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है। छह पारियों में कॉन्वे ने 148.42 के स्ट्राइक रेट से 236 रन बनाए हैं। वह बीच के ओवरों में 179.74 की स्ट्राइक रेट से 142 रन बनाकर विशेष रूप से गेंदबाज़ों पर अच्छा प्रहार कर रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलने वाले राजस्थान के सलामी बल्लेबाज़ यशस्वी जायसवाल पिछले तीन मैचों में से दो में अपनी टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। जब से वह वापस टीम में आए हैं, वह आक्रामक इरादे दिखा रहे हैं जिससे उन्हें काफ़ी मदद मिली है। पिछली बार जब वह सीएसके के खिलाफ खेले थे, तो उन्होंने अपना पहला आईपीएल अर्धशतक बनाया था। उस दौरान उन्होंने 21 गेंदों में 50 रनों की पारी खेली थी। चेन्नई के नंबर तीन बल्लेबाज़ मोईन अली इस सीज़न में बल्ले से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं पा रहे हैं, लेकिन गेंद के साथ उन्होंने बढ़िया प्रदर्शन किया है। पिछले चार मैचों में उन्होंने 9.86 की औसत और 5.83 की इकॉनमी से सात विकेट लिए हैं। पिछले सीजन में उन्होंने इसी विपक्षी टीम के ख़िलाफ़ तीन ओवर में सात रन देकर तीन विकेट लिए थे। पर्पल कैप धारक राजस्थान के युजवेंद्र चहल ने इस सीज़न में 13 मैचों में 24 विकेट ले चुके हैं। चेन्नई के ख़िलाफ़ 2019 के बाद से वह 5.91 की इकॉनमी से गेंदबाज़ी करते हैं। इस दौरान उन्होंने छह विकेट भी लिए हैं। साथ ही कोई भी ऐसा मैच नहीं रहा जिसमें उन्होंने विकेट नहीं लिया हो। मतीसा पथिराना आईपीएल में शामिल होने वाले पहले अनकैप्ड श्रीलंकाई खिलाड़ी हैं। पथिराना ने अपनी पहली ही गेंद पर विकेट लेकर आईपीएल की धमाकेदार शुरुआत की थी। उन्होंने पिछले मैच में 3.1 ओवर में 24 रन देकर 2 विकेट लिया। उन्होंने अंडर 19 विश्व कप 2021/22 में भी चार मैचों में सात विकेट लिए थे। अपने युवा करियर में अधिकांश समय के लिए बल्लेबाज़ी की शुरुआत करने के बाद देवदत्त पडिकल इस सीज़न में राजस्थान के लिए नंबर चार पर बल्लेबाज़ी कर रहे हैं।

कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है: शास्त्री

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है लेकिन उन्हें निर्भिक तरीक़े से खेलने की आवश्यकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो हिंदी के प्री मैच शो टी20 टाइमआउट हिंदी में शास्त्री ने कोहली की बल्लेबाज़ी के बारे में बात करते हुए कहा, अगर विराट कोहली ओपनिंग करने आते हैं तो उन्हें निर्भिक होकर खेलना चाहिए। उन्हें कहीं से भी दब कर नहीं खेलना है। मेरे ख़्याल में काफ़ी समय से उनका लक भी उनके साथ नहीं है।

कोहली ने आईपीएल 2022 में 19.66 की औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें मात्र एक अर्धशतक शामिल है। इस दौरान तीन बार वह पहली ही गेंद पर बिना कोई स्कोर बनाए आउट हो गए। इसके अलावा इस सीज़न में वह जिस तरीक़े से आउट हो रहे हैं, उससे यह साफ़ दिखता है कि कहीं ना कहीं उनका भाग्य उनके साथ नहीं है। दो बार वह रन आउट हुए हैं और दो बार गेंद बल्ले पर लगने के बाद उनकी शरीर पर लगी है और किसी फ़ील्डर के हाथ में चली गई है।

शास्त्री ने कहा, कोहली को ये सोचना चाहिए कि मैं मेहनत कर रहा हूं,मैं उन सभी कामों को कर रहा हूं जो एक खिलाड़ी के लिए ज़रूरी है, उसके बावजूद मुझे अच्छे रन नहीं मिल रहे हैं लेकिन यह रोज-रोज नहीं हो सकता।% कोहली के पास एक ना एक दिन एक मौक़ा आएगा और जब वह मौक़ा आएगा, उन्हें दोनों हाथों से इसे लपकना होगा। इसी कारण से उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। कोहली को यह सोचना चाहिए कि वह एक अच्छे खिलाड़ी हैं। कहें तो पूरे विश्व के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं, जिस दिन वह चल गए उस दिन रन ज़रूर आएंगे।

श्रीलंका के ख़िलाफ़ खेली जा रही टेस्ट सीरीज़ से बाहर हुए शरीफुल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ शरीफुल इस्लाम को चटगांव में श्रीलंका के ख़िलाफ़ टेस्ट मैच के चौथे दिन दाहिने हाथ में चोट लगी है। इस चोट की वजह से शरीफुल श्रीलंका के ख़िलाफ़ खेली जा रही टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। एक्स-रे में फ्रैक्चर का पता चला है और अनुमान लगाया गया है कि शरीफुल चार से पांच सप्ताह के लिए क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे, जिससे उन्हें 16 जून से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज़ सीरीज़ के पहले टेस्ट से भी बाहर रहना पड़ सकता है।

चयनकर्ताओं ने 23 मई से ढाका में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए एक अपरिवर्तित टीम की घोषणा करते हुए शरीफुल की जगह किसी और खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया है।

फ़िजियो बायजिदुल इस्लाम ने गुरुवार को बीसीबी की एक विज्ञप्ति में कहा, बल्लेबाज़ी के दौरान शरीफुल इस्लाम के दाहिने हाथ में चोट लगी थी। चौथे दिन के खेल के बाद एक एक्स-रे किया गया, जिसमें फ्रैक्चर का पता चला है। इस तरह की चोटों को ठीक होने में लगभग तीन सप्ताह लगते हैं और इसके बाद कुछ हफ़्ते का पुनर्वासन होता है। वह चार से पांच सप्ताह तक खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

कसुन रजिता की एक शॉर्ट पिच गेंद को खेलते हुए शरीफुल को यह चोट लगी। इसके बाद बायजिदुल एक दो बार उनकी मदद के लिए आए मैदान पर आए लेकिन शरीफुल ने बल्लेबाज़ी जारी रखी। चार ओवर बाद वह रजिता की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने गए और दर्द से कराहते हुए नीचे गिर गए। अंततः उन्हें रिटायरहर्ट होना पड़ा। बांग्लादेश की पारी यहीं पर 465 रनों के कुल योग पर ख़त्म हो गई।

बांग्लादेश पहले से ही खिलाड़ियों के चोट से जूझ रहा है। तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज़ टीम में नहीं हैं। अगले महीने बांग्लादेश के वेस्टइंडीज़ दौरे के लिए भी तस्कीन की भागीदारी चिंता का विषय है। इस महीने की शुरुआत में कंधे की चोट के लिए लंदन के एक विशेषज्ञ से संपर्क करने वाले तस्कीन का इस समय उपचार चल रहा है। इसलिए चयनकर्ताओं ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि उन्हें वेस्टइंडीज़ में टेस्ट के लिए विचार किया जाएगा या नहीं। बांग्लादेश की टीम जुलाई के मध्य तक दो टेस्ट, तीन टी20 और तीन वनडे खेलने के लिए 5 जून को वेस्टइंडीज़ दौरे पर जा सकती है।

इंडियन ओपन सर्फिंग के तीसरे संस्करण की घोषणा

मैंगलोर। सर्फिंग और स्टैंडअप पैडल खेल की भारतीय शासकीय निकाय, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने इंडियन ओपन सर्फिंग के तीसरे संस्करण की गुरूवार को घोषणा की। इंडियन ओपन सर्फिंग देश की प्रमुख सर्फिंग प्रमुख प्रतियोगिता है जिससे अंतर्राष्ट्रीय सर्फिंग संघ द्वारा मान्यता मिली हुई है। प्रतियोगिता का आयोजन 27-29 मई तक कर्नाटक के मैंगलोर शहर के शांत बीच पनामूर में मंत्र में किया जाएगा। तीन दिवसीय सर्फिंग प्रतियोगिता में सभी टॉप भारतीय सर्फर्स अपनी रैंकिंग के अनुसार हिस्सा ले रहे हैं एवं यह सभी सर्फर्स कर्नाटक सर्फिंग महोत्सव में भी अपनी भागीदारी दर्ज करवाएंगें। टाइटल पार्टनर के रूप में कर्नाटक टूरिज्म ने इंडियन ओपन सर्फिंग के साथ साझेदारी की है, जबकि चेन्नई का टीटी ग्रुप एसोसिएट पार्टनर है। एक्शन कैमरा की प्रमुख कंपनी, %गोप्रो%, प्रीमियर सर्फिंग प्रतियोगिता के लिए एक्शन पार्टनर हैं। प्रतियोगिता में तीन केटेगरी - पुरुष, महिला और ग्रोम्स (अंडर-16) में भागीदारी होगी।

इंडियन ओपन सर्फिंग के लिए एसएफआई के साथ साझेदारी करके बहुत उत्साहित हैं क्योंकि राज्य में बहुत सारे ऐसे बीच (तट) हैं जिन्हें कम एक्सप्लोर किया गया है तथा यह बीच राज्य की पर्यटन इकॉनमी को मज़बूत करने में मदद करते हैं, इस प्रतियोगिता की वजह से इनका प्रमोशन हो जाएगा। राज्य के ऐसे खूबसूरत और शांत हिस्सों में सर्फिंग जैसा खेल वास्तव में देश भर से और विदेशों से भी पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद कर सकता है। पेरिस ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अरुण वासु ने हाल ही में खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की। अनुराग ठाकुर ने भारतीय सर्फिंग महासंघ (फेडरेशन) को राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता देने में सर्फिंग फेडरेशन को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है।

इस अवसर पर सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अरुण वासु ने कहा, हमारा उद्देश्य भारत में सर्फिंग को बड़े स्तर का खेल बनाना है। भारत में एक बड़ी तटरेखा (कोस्टलाइन) और कुछ दुर्लभ और अद्भुत समुद्र बीच (तट) हैं जो सर्फिंग स्पोर्ट के लिए अनुकूल हैं। इस वजह से सर्फिंग को देश में सबसे ज्यादा फॉलो किया जाने वाला वाटर स्पोर्ट बनाना बिल्कुल संभव है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के साथ साथ राज्य और देश में एडवेंचर टूरिज्म (पर्यटन) को बढ़ावा देने की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में इंडियन ओपन जैसी प्रतियोगिता बहुत कारगार हैं। एसएफआई के वाईस प्रेसिडेंट और मेजबान मंत्र, राम मोहन परांजपे ने कहा, हम इंडियन ओपन सर्फिंग के तीसरे संस्करण के साथ लंबे अंतराल के बाद वापस आने के लिए उत्साहित हैं और प्री-मानसून के दौरान भारत के पश्चिमी तट पर एक्शन को देखने के लिए उत्सुक हैं।

भारत में मैंगलोर पश्चिमी तट पर सर्फर्स का केंद्र रहा है और 2016 में अपनी स्थापना के बाद से भारतीय ओपन सर्फिंग की मेजबानी कर चुका है। सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कोरोना महामारी के बाद खेल को बढ़ावा देने और कई छोटे पैमाने के टूर्नामेंटों को आयोजित करवाने में प्रयास किये हैं जिससे एथलीट प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रहें।

तीरंदाज़ी विश्व कप : महिला रिकर्व टीम ने जीता कांस्य

ग्वांग्जू। भारतीय रिकर्व टीम ने गुरुवार को तीरंदाज़ी विश्व कप स्टेज-2 में चीनी तापेई को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

कांस्य पदक मुकाबले में कोमालिका बारी, अंकिता भकत और रिद्धी की भारतीय तिकड़ी ने चीनी तापेई को 6-2 से हराकर प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। भारत ने पहले दो सेट 56-52, 54-51 से जीतते हुए अच्छी शुरुआत हासिल की। तापेई ने 55-54 से वापसी करते हुए तीसरा सेट जीता लेकिन भारत ने शूट-ऑफ़ कराने की चीन की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए चौथा सेट 55-54 से जीतकर मैच अपने नाम किया। दूसरी तरफ़ तरुनदीप राय, नीरज चौहान और जयंत तालुकदार की पुरुष रिकर्व टीम को फ्रांस के सामने क्वार्टरफाइनल में 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। रिकर्व टीम के कांस्य जीतने के बाद भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल दो पदक अपने नाम कर लिये हैं। इससे पहले अवनीत कौर, मुस्कान किरार और प्रिया गुर्जर ने तुर्की की आयशा बेरा सुज़र, येसिम बोस्तान और सिंगुल लोक को बुधवार को 232-231 से हराकर कंपाउंड महिला कांस्य पदक अपने नाम किया था। दूसरी तरफ़ पुरुष कंपाउंड टीम ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर शनिवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में जगह बना ली है।

तालिबान की भारत से अपील, कम से कम दूतावास के कांसुलर सेक्शन को शुरू करे दिल्ली

नई दिल्ली। अफगानिस्तान तालिबान सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहार बल्खी ने कहा है कि तालिबान के पास भारत के साथ खुले संचार चैनल हैं। विऑन की एक रिपोर्ट बताती है कि बल्खी ने कहा है कि भारत काबुल में अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के मुताबिक कम से कम दूतावास के कांसुलर सेक्शन को खोल सकता है क्योंकि हम एक इंटर-कनेक्टेड दुनिया में रहते हैं।

बता दें कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत ने अपना दूतावास बंद कर दिया था। हालांकि दूतावास बंद करने के बाद भी भारत ने कई तरह से अफगानिस्तान के लोगों की मदद की है। भारत ने अफगानिस्तान को कई टन गेहूं भेजे हैं। इसके साथ ही भारत ने

कोविड के टीके और अन्य दवाइयां भी अफगानिस्तान भेजी हैं।

भारत से चाहते हैं सकारात्मक संबंध, बोला तालिबान

विऑन के साथ बातचीत में बल्खी ने कहा है कि हम भारत सहित सभी देशों के साथ पारस्परिक सम्मान और हितों के आधार पर सकारात्मक संबंध चाहते हैं। हम भारत द्वारा अफगान लोगों को प्रदान की गई मानवीय सहायता की सराहना करते हैं और इसे सद्भावना के रूप में देखते हैं। हम उन लोगों को हमेशा याद रखेंगे जिन्होंने हमारी जरूरत के समय अफगानिस्तान की मदद की। हमारे पास भारत के साथ खुले संचार चैनल हैं और कई मौकों पर हम भारतीय प्रतिनिधियों से मिल चुके हैं।

तालिबान की अपील- काबुल दूतावास शुरू करे भारत

भारत द्वारा काबुल में दूतावास फिर से शुरू करने को लेकर उन्होंने कहा कि हमने सभी देशों से दूतावासों को फिर से शुरू करने का आग्रह किया है ताकि आपसी हितों और चिंताओं को सीधे बेहतर तरीके से संबोधित किया जा सके। लेकिन भारत को अगर पूरी तरह से दूतावास को खोलने को लेकर आपत्ति है, तो वे कम से कम अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं के मुताबिक दूतावास के कांसुलर सेक्शन को खोलने पर विचार कर सकते हैं।

पाकिस्तान और भारत को लेकर भी रखी बात

बल्खी ने कहा है कि दो देशों के बीच अच्छे संबंध होने का मतलब यह नहीं है कि कोई तीसरा देश एक ही समय में दोनों देशों के साथ सकारात्मक संबंध नहीं बना सकता है।

अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों को लेकर उन्होंने कहा है कि तालिबान राज में हिंदू और सिख समुदाय पिछले दो दशकों की तुलना में अधिक सुरक्षित हैं। हमने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की है जिसे हड़प लिया गया था।

तालिबान का एक और नया फरमान, महिला टीवी एंकर को शो में ढकना होगा चेहरा

काबुल। अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने वाले तालिबान ने गुरुवार को एक और नया फरमान जारी किया है। नए फरमान में कहा गया है कि सभी टीवी चैनलों पर काम करने वाली सभी महिला एंकल को शो करते समय अपने चेहरे को ढकना पड़ेगा। टोलोन्यूज के अनुसार फरमान जारी करते हुए तालिबान के सूचना और संस्कृतिक मंत्रालय ने इसे अंतिम फैसला बताया और कहा कि अफगानिस्तान में सभी मीडिया आउटलेट्स को यह आदेश जारी कर दिया गया है। अफगान महिलाओं के खिलाफ तालिबान के अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं क्योंकि संगठन ने पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था, जिसमें युवा लड़कियों और महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए थे। तालिबान ने इससे पहले अपने आधिकारिक आदेश में, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की महिला स्टाफ सदस्यों को कार्यालयों में हिजाब पहनने का निर्देश दिया था।

रूस का पहला सैनिक यूक्रेन में युद्ध अपराध के लिए दोषी करार

आजीवन कारावास की हो सकती है सजा

कीव। यूक्रेन ने 21 साल के एक रूसी सैनिक को युद्ध अपराध का दोषी माना है। वादिम शिशिमारिन पर 62 साल के एक यूक्रेनी बुजुर्ग की हत्या का आरोप है। आरोप है कि 28 फरवरी को कीव से करीब 300 किलोमीटर दूर चुपखिवका इलाके के एक गांव में वादिम शिशिमारिन ने सड़क पर फोन पर बात करते हुए जा रहे एक बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी थी। दक्षिणी साइबेरिया के रहने वाले वादिम शिशिमारिन युद्ध अपराधों के चलते आजीवन जेल की सजा हो सकती है। गौरतलब है कि यूक्रेन ने युद्ध अपराधों के अलावा इमारतों पर बम गिराने, नागरिकों की हत्या करने, बलात्कार और लूटपाट करने जैसे मामलों पर सुनवाई शुरू कर दी है।

यूक्रेन की अभियोजक जनरल इरीना वेनेडिक्टोवा ने ट्वीट कर कहा- इस

पहले मुकदमे के जरिए हम दुनिया को बताना चाहते हैं कि प्रत्येक अपराधी जिसने यूक्रेन में अपराध किया है या अपराध करने का आदेश दिया है वो बचेगा नहीं। यूक्रेन 41 रूसी रूसी सैनिकों के खिलाफ युद्ध अपराध के मामलों की कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक यूक्रेन ने कितने रूसी सैनिकों को बंदी बना रखा है ये फिलहाल स्पष्ट नहीं है। 18 मई को छपी ह्यूमन राइट्स वॉच की एक रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी के अंत से मार्च 2022 तक उत्तर- पूर्वी यूक्रेन में कीव और चेर्निहाइव इलाकों पर कब्जा कर रूसी सैनिकों ने युद्ध अपराध किया।

गौरतलब है कि ऐसे अनगिनत किस्से हैं जिसमें रूसी सैनिकों पर यूक्रेन में अमानवीय कृत्य करने का आरोप लगा है। रूसी सैनिकों पर लोगों के घर लूटपाट करने का भी आरोप है। आरोप है कि रूसी सैनिकों ने यूक्रेन में हमले के बाद यूक्रेनी लोगों के घर में घुसकर जमकर लूटपाट की। इस दौरान उन्होंने खाने-पीने का सामान, कपड़े और कीमती चीजें लूटी और फिर घरों को आग लगा दी। अप्रैल में जारी ह्यूमन राइट्स वॉच की एक रिपोर्ट के मुताबिक खार्किव में 31 साल की महिला का 20 साल के रूसी सैनिक ने बार-बार बलात्कार किया और उसकी पिटाई की।

डब्ल्यूएचओ ने ब्रिटेन में मंकीपॉक्स वायरस के फैलने की जताई आशंका

लंदन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी जारी की है कि ब्रिटेन में मंकीपॉक्स वायरस के मामलों में और वृद्धि हो सकती है। डब्ल्यूएचओ द्वारा बुधवार रात जारी की गयी चेतावनी में कहा गया कि ब्रिटेन में इस वायरस के संबंध में अभी तक की उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि यह स्थानीय स्तर पर ही पनपा है लेकिन अभी तक की स्थिति में इसके स्थानीय रूप से प्रसारित होने को लेकर कुछ खास स्पष्टता नहीं है और नये मामले सामने आने की पूरी संभावना है। इस बीच ब्रिटिश स्वास्थ्य अधिकारी लंदन में मंकीपॉक्स वायरस के फैलने के कारणों की जांच कर रहे हैं जिसने नौ लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में मंकीपॉक्स वायरस छह मई को एक ही घर से तीन सदस्यों में पाया गया था, इसके कुछ दिनों बाद चार और मामले सामने आए। इसके अलावा दो मामले एक लंदन में और एक इंग्लैंड के दक्षिण पूर्व में भी सामने आए। ब्रिटेन के स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) के मुख्य चिकित्सा सलाहकार सुसान हॉपकिंस ने मंकीपॉक्स वायरस के नए मामलों और यूरोप भर के देशों में मंकीपॉक्स वायरस के बढ़ते नए मामलों पर चिंता जताई।

अमेरिका ने ताइवान को डब्ल्यूएचओ में दर्जा देने की वकालत की

वाशिंगटन। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सलाह दी है कि वह आगामी विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) में ताइवान को एक पर्यवेक्षक के तौर पर आमंत्रित करने के मुद्दे पर विचार करें और ताइवान को इसमें शामिल होने वाले अन्य प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का एक मौका दें। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यह जानकारी दी है। ब्लिंकन ने एक बयान में कहा, हम विश्व स्वास्थ्य संगठन में एक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने के लिए ताइवान को आमंत्रित करने और मई में आयोजित होने वाले 75वें डब्ल्यूएचए में समाधान संबंधित चर्चाओं में ताइवान को अपनी विशेषज्ञता जाहिर करने का मौका दे। विदेश मंत्री ने कि ताइवान वैश्विक स्वास्थ्य समुदाय का एक सक्षम और जिम्मेदार सदस्य है और इसकी क्षमताएं और इसकी क्षमताएं एवं दृष्टिकोण डब्ल्यूएचए चर्चाओं की दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है।

मेक्सिको में बस के दीवार से टकराने से 14 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के जलिस्को प्रांत में टक्सक्यूका-सिटला राजमार्ग पर एक बस के दीवार से टकराने से 14 लोगों की मौत हो गई और अन्य 20 घायल हो गए। राज्य सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा सचिवालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सचिवालय ने ट्वीट किया, बस मेक्सिकन शहर के जोकोटेपेक की ओर जा रही थी, तभी अचानक बस के ब्रेक फेल होने की वजह से यह सड़क किनारे दीवार से जा टकराई। हादसे में 14 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 20 घायल हो गए। समाचार एजेंसी स्पूतनिक के मुताबिक बस में स्थानीय अधिकारियों के साथ-साथ बेरी बनाने वाली कंपनी के कर्मचारी सवार थे। इस दुर्घटना में बस चालक की भी मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान जारी है। बचाव अभियान अभी जारी है।

अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ शहर में धमाका

काबुल। अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत के शहर मजार-ए-शरीफ में गुरुवार को विस्फोट होने से कम से कम तीन लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में गुरुवार को यह जानकारी सामने आयी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक नाम न जाहिर करने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, पीड़ित राष्ट्रीय सेना की 209 अल-फतह बटालियन के नागरिक कर्मचारी हैं और सभी घायलों को सेना अस्पताल में भर्ती किया गया है। समाचार एजेंसी ने प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजीरी के हवाले से कहा कि सुबह नागरिक कर्मचारियों की एक मिनी बस को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है। छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अतः जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से टंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विोष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

CMYK CMYK CMYK CMYK